संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 311
पृष्ठ 8
बुधवार
31 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मानसून के दौरान ऑयली...
विचार- राज्य पुनर्गठन की मांग, विकास या
खेल- भारत करेगा एशिया कप की मेजबानी..

सीआईआई के कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी

बीते दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले

- भारत बहुत सधे हुए कदमों से लगातार आगे बढ़ रहा
- हम भारत को महासंकट से निकालकर इस ऊंचाई पर लाए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विज्ञान भवन में 'विकसित भारत की यात्राः केंद्रीय बजट 2024–25 के बाद का सम्मेलन' के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। यह कार्यक्रम कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) की ओर से आयोजित किया गया है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, ''मेरा देश कभी पीछे नहीं हट सकता। मैं सीआईआई का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मुझे याद है पैंडेमिक के समय आप बहुत चिंता कर रहे थे। हर चर्चा के केंद्र के विषय रहता था गेटिंग ग्रोथ बैक। भारत बहुत ही जल्द विकास के पथ पर दौड़ेगा। आज भारत किस ऊचाई पर है। आज भारत 8 प्रतिशत की रफ्तार से ग्रो कर रहा है। आज हम सभी डिस्कस कर रहे हैं, जर्नी टुवार्ड विकसित भारत। यह बदलाव सिर्फ सेंटिमेंट का नहीं है यह बदलाव कॉन्फिडेंस का है।''पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक ताकत है। और वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की तीसरे सबसे बड़े इकोनॉमिक पावर बन जाएगा। पीएम ने कहा, ''मैं जिस बिरादरी से आता हूं उस बिरादरी की पहचान बन गई है चुनाव से पहले जो बातें करते हैं चुनाव के बाद भुला देते हैं। मैं वैसा नहीं हूं। इसलिए मैं याद दिला देता हूं मैंने कहा था मेरे तीसरे टर्म में देश तीसरे नंबर की इकोनॉमी बनेगा। भारत बहुत सधे हुए कदमों से लगातार आगे बढ़ रहा है। 2014 में जब आपने हमें सेवा करने का अवसर दिया तब सबसे बड़ा प्रश्न यही था इकोनॉमी को कैसे वापस पटरी पर लाएं। 2014 से पहले ही फ्रेजाइल फाइव वाली स्थिति और लाखों करोड़ों के घोटाले के बारे में यहां हर कोई पता है। इकोनॉमी की क्या स्थिति थी इसकी बारीकियां सरकार ने श्वेत पत्र जारी के बताई है। मैं उसके विस्तार में नहीं जाऊंगा।'' पीएम ने कहा कि आप जैसे संगठन (सीआईआई) उस पर जरूरत के अनुसार अध्ययन करें उस पर डिबेट करें कि हम कहां खड़े थे और कैसी बीमारियों की शिकार हो गए थे? पीएम ने दावा किया कि हम भारत को उस महासंकट से निकाल कर इस ऊंचाई पर लाए हैं। बजट 16 लाख से 48 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कैपेक्स जिसे रिसोर्स इन्वेस्टमेंट कहा जाता है यूपीए सरकार के पहले बजट में कैपेक्स के लिए 90 हजार करोड़ था, इस साल सरकार चलाने के बाद 2014 में यह बजट 2 लाख करोड़ रुपये था। आज कैपेक्स 11 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। हमारी सरकार में कैपेक्स 5 गुना की रफ्तार से बढ़ा है। बात सिर्फ बजट बढ़ाने की नहीं है बात गुड गवर्नेंस की है। पहले बजट की घोषणाएं भी जमीन पर नहीं उतार पाते थे। ये घोषणा करके हेडलाइन लेते थे पर काम नहीं होता था। योजनाओं को तय समय पर पूरा करने पर भी पहले की सरकारों का कोई जोर नहीं था। हमने दस वर्षों में इस स्थिति को बदला है। ऐसी अनिश्चितता के समय में भी विदेशी मुद्रा भंडार में अच्छी खासी वृद्धि हुई है। हाई ग्रोथ लो इन्फ्लेशन वाला इकलौता देश है। इतनी बड़ी महामारी के बावजूद भारत का फिस्कल प्रूडेंस पूरी दुनिया के रोल मॉडल है। ग्लोबल ग्रोथ में भारत की भागीदारी 16: हो गई है। ऐसा अनेकों के संकट के बाद हुआ है। पैंडेमिक, युद्ध और प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद ऐसा हुआ है। हमने हर संकट का मुकाबला किया है। हर चुनौती का समाधान किया है। अगर ये संकट नहीं आते तो भारत आज जहां पहुंचा है उससे भी ऊंचाई पर होता। आज देश विकसित भारत के संकल्प को लेकर चल रहा है। बीते दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। हम देश के नागरिकों की क्वालिटी ऑफ लाइफ पर ध्यान दे रहे हैं। हमने कौशल विकास और रोजगार पर ध्यान केंद्रित किया है। इसमें मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया युवाओं की मदद कर रही है। मुद्रा योजना की मदद से आठ करोड़ से ज्यादा साथियों ने पहली बार कोई बिजनेस शुरू किया है। स्टार्टअप्स शुरू हुए हैं, लोगों युवाओं को इनमें काम मिला है। बजट में हुई पीएम पैकेज की घोषणा से चार करोड़ युवाओं को लाभ मिलेगा। हमारी सरकार जिस तेज और स्तर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रही है, आप सब उसके गवाह हैं। यह अभूतपूर्व है। आज हम जिस दुनिया में रह रहे हैं, वह बहुत अनिश्चितताओं से भरी हुई है। ऐसी स्थिति में भारत जैसी विकास दर होना अलग बात है। ऐसी स्थिति में भारत के मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी होना भी बेहद अहम बात है। भारत इस स्थिति में भी बढ़ी विकास दर और कम महंगाई वाला देश है। इतनी बड़ी महामारी के बावजूद भारत का फिस्कल प्रूडेंस पूरी दुनिया के लिए रोल मॉडल है।

योगी सरकार ने 12 हजार 209 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया

- औद्योगिक विकास के लिए सर्वाधिक आवंटन

लखनऊ, एजेसी। यूपी विधानमंडल सत्र के दूसरे दिन योगी सरकार ने विधानसभा में 12 हजार 209 करोड़ 93 लाख रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया है। अनुपूरक बजट का आकार मूल बजट का 1.6 प्रतिशत है। बजट में सर्वाधिक 7500.81 करोड़ रुपये औद्योगिक विकास के लिए आवंटित किया गया है। इसी तरह 2000 करोड़ ऊर्जा विभाग, एक हजार करोड़ परिवहन विभाग को नई बसें खरीदने के लिए बजट प्रस्तावित किया है। इसके साथ ही नगर विकास विभाग की अमृत योजना की सहायता के लिए 600 करोड़, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 200 करोड़, ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपन जिम के लिए 100 करोड़, माध्यमिक शिक्षा विभाग के तहत 284 राजकीय इंटर कॉलेजों में लैब की स्थापना के लिए 28.40 करोड़, 1040 राजकीय इंटर कॉलेज में आईसीटी लैब की स्थापना के लिए 66.82 करोड़ की व्यवस्था अनुपूरक बजट में की गयी है। इसके अलावा संस्कृति विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए 74.90 करोड़, अटल आवासीय विद्यालयों की स्थापना के लिए 53.85 करोड़ रुपए दिये हैं। इनमें आवासीय एवं अनावासीय भवनों के अनुरक्षण के लिए 2.79 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं व बच्चों पर होने वाले यौन उत्पीड़न पर आरोपियों के खिलाफ की गई कार्रवाई पर जवाब देते हुए कहा कि इन मामलों में आरोपियों को सजा देने में यूपी देश में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश के हर जिले में एक महिला थाना बनाया गया है। अगर 2016 से तुलना की जाए तो प्रदेश में यौन उत्पीड़न के मामलों में साढ़े 17 प्रतिशत की कमी आई है। दुष्कर्म के मामलों में 25 प्रतिशत की कमी आई है। मुख्यमंत्री योगी विधान परिषद में सपा विधायक द्वारा उठाए गए सवाल का जवाब दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार महिला सुरक्षा के प्रति पूरी तरह गंभीर है। यही कारण है कि सरकार ने सत्ता में आते ही एंटी रोमियो स्क्वायड का गठन किया था और सबसे पहले इसका विरोध सपा ने ही किया था। उन्होंने कहा कि महिला और बाल अपराध निस्तारण में प्रदेश पहले नंबर पर है। प्रदेश के अंदर एक महिला थाना हर जनपद में स्थापित करने के साथ–साथ एक अतिरिक्त थाने की जिम्मेदारी भी महिला थानाध्यक्ष को उपलब्ध कराया है। 2020 से हमारी सरकार प्रदेश में मिशन शक्ति अभियान को आगे बढ़ा रही है।

शाह ने केरल के मुख्यमंत्री से बात कर हर संभव मदद का आश्वासन दिया

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन से बात कर वायनाड में भूस्खलन के कारण उत्पन्न स्थिति के बारे में जानकारी ली तथा केन्द्र की ओर से उन्हें हर संभव मदद

का आश्वासन दिया। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि श्री शाह ने श्री विजयन के साथ टेलीफोन पर बात कर हादसे के बारे में विस्तार से जानकारी ली है। मंत्रालय ने कहा है कि श्री शाह ने केरल के मुख्यमंत्री को संकट की इस घड़ी में केन्द्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

वायनाड में भारी बारिश के कारण भूस्खलन, 84 लोगों की मौत

- केरल में दो दिनों का शोक
- राहुल–प्रियंका जाएंगे वायनाड

वायनाड, एजेंसी। मंगलवार तड़के, केरल के वायनाड जिले में भारी बारिश के कारण भूस्खलन की विनाशकारी श्रृंखला देखी गई। इस आपदा ने कम से कम 84 लोगों की जान ले ली है, जबकि कई लोग अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं। गांवों के बह जाने के बाद अधिकारी व्यापक बचाव अभियान चला रहे हैं। सेना की दक्षिणी कमान ने बचाव दल और हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। हालांकि, खराब मौसम के कारण एनडीआरएफ, सेना और स्थानीय अधिकारियों के बचाव प्रयासों में बाधा आ रही है। आईएमडी ने 8 जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी स्थिति का जायजा लेने के लिए बुधवार को वायनाड जाएंगे। राहुल गांधी वायनाड से सांसद हैं। वायनाड में भूस्खलन की घटना में कम से कम 70 लोगों की जान जाने के बाद केरल सरकार ने आज और कल राज्य में आधिकारिक शोक की घोषणा की है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के संबंध में मंगलवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से बात की। स्टालिन ने विजयन को बचाव और राहत प्रयासों में तमिलनाडु के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने केरल की सहायता के लिए तत्काल एक टीम भेजने की घोषणा की। केरल के मुख्य सचिव वी वेणु ने कहा कि वायनाड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में बचाव अभियान जारी रहने के कारण 84 से अधिक शव बरामद किए गए हैं। राज्य के राजस्व मंत्री के कार्यालय के अनुसार, लगभग 116 लोग घायल हुए हैं और जिले के विभिन्न अस्पतालों में उनका इलाज चल रहा है। इस बीच, केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन राहत और बचाव कार्यों का नेतृत्व करने के लिए वायनाड जा रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल की जान खतरे में हैं, इंडिया ब्लॉक रैली में पत्नी सुनीता ने लगाए कई बड़े आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। सुनीता केजरीवाल ने 'इंडिया' गठबंधन की रैली में कहा कि भाजपा की राजनीति नफरत और दिल्ली के लोगों का काम रोकने की है, अरविंद केजरीवाल लोगों के लिए लड़ रहे हैं। सुनीता केजरीवाल ने 'इंडिया' गठबंधन की रैली में आरोप लगाया कि भगवान का शुक्र है कि मेरे पति के साथ कोई अनहोनी नहीं हुई। उनकी जान खतरे में है। दिल्ली के मुख्यमंत्री को एनडीए के सांसद के झूठे बयान पर ईडी ने गिरफ़्तार कर लिया। जब ट्रायल कोर्ट ने उन्हें जमानत दी तो ईडी अपने वक़ील के ही भाई की कोर्ट में जाकर जमानत रुकवा दी। फिर ब्ठप् ने इन्हें गिरफ़्तार कर लिया। सुनीता केजरीवाल ने कहा कि जेल में केजरीवाल जी की शुगर 50 से नीचे चली जाती है जो उनकी ज़िंदगी के लिए ख़तरनाक है और एलजी कहते हैं कि केजरीवाल जी जानबूझकर इन्सुलिन नहीं ले रहे हैं।

गलती से नॉन–वेज खाना परोसे जाने पर वंदे भारत स्टाफ को यात्री ने मारा थप्पड़

नई दिल्ली, एजेंसी। एक परेशान करने वाला वीडियो सामने आया है जिसमें एक यात्री को वंदे भारत एक्सप्रेस में गलती से नॉन–वेज खाना परोसे जाने के बाद सर्वर को थप्पड़ मारते हुए दिखाया गया है। परेशान यात्री, जो संभवतः शाकाहारी था, खाने को खाने के बाद यह पता चलने पर क्रोधित हो गया कि खाना शाकाहारी नहीं था। ऐसा प्रतीत होता है कि उसने खाने को चखने से पहले उस पर वेज और नॉन–वेज लेबल पर ध्यान नहीं दिया। इसके जवाब में कुछ वीडियो प्रसारित हो रहे हैं जिसमें साथी यात्री उस व्यक्ति से सर्वर से माफ़ी मांगने का आग्रह करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

आमंत्रण पत्र

शहर समता विचार मंच, प्रयागराज
(शहर समता अखबार द्वारा संचालित)
महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी

अध्यक्षता - डॉ. कल्पना वर्मा
मुख्य अतिथि - प्रेमा राय
विशिष्ट अतिथि- डॉ स्नेह सुधा

दिनाँक - 31 जुलाई 2024 दिन - बुधवार
समय- अपराह्न 3 बजे से
स्थान- शहर समता कार्यालय कर्नलगंज थाने के पीछे , प्रयागराज

राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना
प्रबंध सम्पादक अरविंद कुमार पाण्डेय
सचिव उमेश श्रीवास्तव

अफजाल अंसारी की सजा क्यों रद्द हुई

गाजीपुर कोर्ट ने जिन 5 पॉइंट पर सजा सुनाई, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उन्हें खारिज किया

प्रयागराज। गाजीपुर से सपा सांसद अफजाल अंसारी की सजा को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। 29 अप्रैल, 2023 को गाजीपुर एमपी–एमएलए कोर्ट ने अफजाल को 4 साल की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने इस फैसले को पलट दिया। कोर्ट ने कहा – सरकार का पक्ष रखते हुए वकील अपराध साबित नहीं कर पाए। विधायक कृष्णानंद राय मर्डर केस के आधार पर मुहम्मदाबाद थाने में गैंगस्टर एक्ट का केस दर्ज किया गया। दिल्ली ट्रायल कोर्ट ने इसमें अफजाल को पहले ही बरी कर दिया था। मूल केस में बरी अफजाल को उसी केस पर आधारित नए केस में भी बरी होने का अधिकार है। कोर्ट ने इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के फरहाना केस के विधि सिद्धांत को आधार माना। कोर्ट ने यह भी कहा– अंसारी पहले से जमानत पर हैं, ऐसे में उन्हें समर्पण करने की जरूरत नहीं।

बोले– विवेचक ने खुद माना, 4 साल में उनके खिलाफ कोई शिकायत नहीं

अफजाल अंसारी की ओर से वकील गोपाल चतुर्वेदी और डीएस मिश्रा ने कहा– पुलिस ने जो गैंग का चार्ट बनाया है, उसमें कई सदस्य दिख रहे हैं। लेकिन गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई सिर्फ 3 लोगों पर की गई। ट्रायल कोर्ट में विवेचक के बयान से यह साफ है कि ऐसा राजनीतिक कारणों से किया गया। इसके अलावा जिस मूल मुकदमे के आधार पर अफजाल को गैंगस्टर एक्ट में सजा सुनाई गई, उस मामले में उन्हें बरी किया जा चुका है। गैंगस्टर एक्ट के इस मुकदमे के बाद उनके खिलाफ 2 ही मामले दर्ज हुए। वह भी 2009 और 2014 के चुनाव को लेकर जन प्रतिनिधित्व अधिनियम से जुड़े हैं। खुद विवेचक ने ट्रायल कोर्ट में बयान में कहा कि 4 साल तक वह मुहम्मदाबाद थाने के इंचार्ज रहे। अफजाल के खिलाफ मुकदमा तो क्या किसी ने छोटी–मोटी शिकायत भी नहीं की। ऐसे में अफजाल की सजा बढ़ाने का कोई सवाल ही नहीं होता। राजनीतिक कारण से दर्ज हुए मुकदमों में कानून के मुताबिक गैंगस्टर एक्ट लागू ही नहीं होता। इसलिए अफजाल को सुनाई गई सजा निरस्त की जानी चाहिए।

सरकारी वकील के जवाब

बोले– 70 साल की उम्र देखकर सजा कम देना गलत

इससे पहले राज्य सरकार की अपील पर अपर महाधिवक्ता पीसी श्रीवास्तव और अपर शासकीय अधिवक्ता जेके उपाध्याय ने अपनी बहस में कहा– ट्रायल कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट में अफजाल अंसारी को कम सजा सुनाई है। ट्रायल कोर्ट ने ऐसा करने के पीछे अफजाल अंसारी की 70 साल की आयु और उनके 2 बार सांसद एवं कई बार विधायक चुने जाने के मद्देनजर किया है। जबकि कानून के मुताबिक ट्रायल कोर्ट को अभियुक्त की आयु उस समय की देखनी चाहिए थी, जब अपराध हुआ था। साथ ही ट्रायल कोर्ट ने अफजाल के सांसद एवं विधायक चुनने को भी कम सजा का आधार बनाया है। लेकिन यह भी उचित नहीं किया गया। क्योंकि जिन पर देश का भविष्य बनाने का दायित्व है, वह ही अगर अपराध करें तो उन्हें अधिकतम दंड दिया जाना चाहिए था। पीयूष राय के अधिवक्ता सुदिष्ट कुमार ने सरकार की ओर से प्रस्तुत तर्कों पर पूरी तरह सहमति जताई थी।

अफजाल ने कहा – मेरे माथे पर साजिश का काला टीका लगाने की कोशिश हुई

कोर्ट का फैसला आने के बाद अफजाल अंसारी ने कहा– इन लोगों को गाजीपुर की जनता माफ नहीं करेगी। इस फैसले के बाद गरीबों की बस्ती में जाकर देखिए, सब कितने खुश हैं। वो डरे हुए थे। कल मेरा एक ऑडियो वायरल किया गया। किसी ने ये नहीं कहा कि सावन के सोमवार पर महादेव के मंदिर में जल चढ़ाने वालों ने मेरे लिए दुआ की। मैं आज गाजीपुर की जनता को धन्यवाद कहना चाहता हूं, जिन्हें 8 महीने से टॉर्चर किया जा रहा था कि अफजाल का साथ छोड़ दो। मेरे माथे पर साजिश का काला टीका लगाने का प्रयास हुआ, वो मिट गया है। मुझे इस पर गर्व है। कल से मैं संसद की कार्रवाई में शामिल हो जाऊंगा।

2005 में कृष्णानंद राय हत्या केस में गैंगस्टर लगा

2005 में तत्कालीन ठश्रच विधायक कृष्णानंद राय की हत्या के बाद अफजाल पर गैंगस्टर एक्ट लगा था। गाजीपुर की डच्–डस। कोर्ट ने गैंगस्टर मामले में अफजाल अंसारी को 29 अप्रैल, 2023 को सजा सुनाई गई थी। 4 साल की जेल और 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। इस मामले में उनके छोटे भाई मुख्तार अंसारी को भी 10 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। इसी वजह से अफजाल को जेल जाना पड़ा और उनकी संसद सदस्यता निरस्त हो गई। इसके बाद अफजाल ने हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दायर की थी।

हाईकोर्ट से मिली थी जमानत

24 जुलाई, 2023 को हाईकोर्ट ने अफजाल को जमानत दे दी थी। लेकिन मामले में उनकी सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। हालांकि, अफजाल को जेल से रिहा कर दिया गया। मगर उनकी संसद सदस्यता बहाल नहीं हुई। इसके अलावा, वह भविष्य में चुनाव लड़ने के लिए भी अयोग्य हो गए, क्योंकि उन्हें दी गई सजा 2 साल से ज्यादा थी।

सुप्रीम कोर्ट से बहाल हुई थी सदस्यता

सुप्रीम कोर्ट ने बाद में उनकी सजा पर रोक लगा दी, जिस वजह से उनकी सदस्यता बहाल हो गई और वह लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए भी पात्र हो गए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को सुनवाई में तेजी लाने और 30 जून तक मामले का फैसला करने का निर्देश दिया था। इसके बाद अफजाल अंसारी ने 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा और गाजीपुर सीट से सांसद बन गए। सपा सांसद अफजाल अंसारी की याचिका पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 4 जुलाई, 2024 को फैसला सुरक्षित रखा था। 29 जुलाई को हाई कोर्ट ने सुनवाई के बाद डच्–डस। कोर्ट गाजीपुर का फैसला पलट दिया।

7 पॉइंट में अफजाल का पॉलिटिकल करियर समझें

अफजाल 2004 के लोकसभा चुनाव में सपा के टिकट पर गाजीपुर से सांसद बने।

29 नवंबर, 2005 को भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की हत्या हो गई।

दिसंबर, 2005 को अफजाल को साजिश रचने के आरोप में जेल जाना पड़ा।

2009 में अफजाल ने बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए।

2014 में बलिया सीट से कौमी एकता दल के टिकट पर चुनाव लड़ा, दोबारा चुनाव हार गए।

2019 में सपा–बसपा का गठबंधन हुआ। अफजाल बसपा के टिकट पर गाजीपुर से चुनाव लड़े और दूसरी बार सांसद बने।

अप्रैल 2023 में गाजीपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट में 4 साल की सजा सुनाई और अफजाल को जेल जाना पड़ा।

प्रयागराज में पुलिस भर्ती एग्जाम के 56 सेंटर होंगे

पिछली बार 126 केंद्र बनाए गए थे, 2.69 लाख अभ्यर्थी परीक्षा देंगे

प्रयागराज। दोबारा होने वाली उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए इस बार प्रयागराज में महज 56 सेंटर बनाए गए हैं। जबकि इसके पहले 126 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा संपन्न हुई थी लेकर पेपर लीक का मामला सामने आने और अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शन के बाद योगी सरकार ने उस परीक्षा को ही रद्द कर दिया था और अब नए सिरे से परीक्षा कराने की घोषणा भी कर दी गई है। जनपद में 56 परीक्षा केंद्र चिह्नित कर लिए गए हैं। इस बार कड़ी सुरक्षा के बाद परीक्षा आयोजित कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। 10 पालियों में होने वाली यह परीक्षा 23 अगस्त से शुरू हो रही है। 23, 24, 25, 30 व 31 अगस्त को होगी। स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि इस बार सरकार और सहायता प्राप्त विद्यालयों को ही परीक्षा केंद्र बनाए जाएं।

प्रयागराज में 2.69 लाख अभ्यर्थी परीक्षा देंगे

पुलिस भर्ती परीक्षा में प्रयागराज में 2.69 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। एडीएम सिटी ने परीक्षा केंद्रों का दौरा भी कर लिया। केंद्र व्यवस्थापकों को सख्त चेतावनी दी जा रही है कि परीक्षा में किसी तरह से लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इस बार इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय और डछछप्ए को भी परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

डबल लॉक में रखे जाएंगे प्रश्न पत्र

एग्जाम में किसी तरह की लापरवाही न होने पाए इसके लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे। संगम सभागार में स्ट्रांग रूम बनाया जाएगा जिसमें डबल लॉक में प्रश्न पत्र भी रखा जाएगा। यहां किसी को भी जाने की अनुमति नहीं होगी।

अदालती नोटिस

हेतु सदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय सिविल जज व०श्रे० क०सं०१४
जिला इलाहाबाद

वैवाहिक वाद संख्या **१७०७** सन २०२३

जमुना देवी

बनाम

महादेव आदि

६/१ श्रीमती दुलारी देवी आयु लगभग ८० वर्ष पत्नी स्व० पन्ना लाल, **६/२ जगजीत बहादुर** आयु लगभग ६० वर्ष पुत्र स्व० पन्ना लाल, **६/३ रणजीत बहादुर** आयु लगभग ५५ वर्ष पुत्र स्व० पन्ना लाल, **६/४ शिवजीत बहादुर** आयु लगभग ४५ वर्ष पुत्र स्व० पन्ना लाल , **६/५ इन्द्र बहादुर** आयु लगभग ४२ वर्ष पुत्र स्व० पन्ना लाल **६/६ विजय बहादुर** आयु लगभग ३८ वर्ष पुत्र स्व० पन्ना लाल, **सभी निवासीगण** ग्राम धोकरी उपरहार परगना झूसी तहसील फूलपुर पो० ऑफिस धोकरी जनपद इलाहाबाद ।

चूँकि उपर नामोकित वादी ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए २०२४ के ०८ के ०३ दिवस को १० बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यकरूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित आज के दिवस को निकला गया ।

नियत तिथि - **०३/०८/२०२४**

न्यायाधीश

प्रयागराज में घर से नाराज होकर दिल्ली पहुंचे 2 बच्चे

घर से 60 हजार रुपए ले गए, स्टेशन पर लूट की कोशिश, यात्रियों ने बचाया

प्रयागराज। प्रयागराज के रहने वाले दो सगे भाई घरवालों की डांट से गुस्से में घर छोड़ गए। प्रयागराज जंक्शन पहुंचे दोनों बच्चे दिल्ली की ट्रेन पर सवार हो गए। यहां घरवाले बौखला कर पूरे शहर में तलाश करने लगे। कक्षा 9 का छात्र और कक्षा सात का छात्र नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर उतर गए। उनके पास 60 हजार रुपए थे। दोनों बच्चे दिल्ली रेलवे स्टेशन के बाहर भटकने लगे। इस दौरान बच्चों के पास इतने रुपए देख स्टेशन पर छीना–झपटी होने लगी। ऐसे में दूसरे मुसाफिरों की नजर पड़ गई। दोनों भाइयों को लोगों ने बैठा लिया और घरवालों का मोबाइल नंबर लेकर फोन कर सूचना दी। इसके बाद प्रयागराज में रहने वाले परिवार ने राहत की सांस ली। अब दिल्ली में दोनों बच्चे अपने रिश्तेदार के घर पहुंच गए हैं।

पिता दुबई में, बच्चे 60 हजार लेकर चले गए

प्रयागराज के करेली थाना क्षेत्र के सी–ब्लॉक में रहने वाले इन दोनों बच्चों के पिता जिशान इकबाल दुबई की कंपनी में जॉब करते हैं। बच्चे इलाहाबाद पब्लिक स्कूल के छात्र हैं।

प्रयागराज में मां-बेटी को जिंदा जलाने की कोशिश

पेट्रोल डालकर लगाई आग, दोनों की हालत गंभीर, सास बोली– नहीं जानती किसने कियां

प्रयागराज। प्रयागराज में देर रात मां–बेटी को जिंदा जलाने की कोशिश की गई। दोनों पर सोते समय पेट्रोल डाला गया। इसके बाद आग लगा दी गई। इस आगलगी में दोनों बुरी तरह झुलस गई हैं। गंभीर हालत में दोनों का इलाज स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में किया जा रहा है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घर वालों से पूछताछ की। इस दौरान सास ने कहा कि नहीं पता किसने इस घटना को अंजाम दिया। रात को करीब डेढ़ बजे चीखने–चिल्लाने की आवाज सुनने के बाद उन्हें इस घटना के बारे में पता चला।

चार बच्चों की मां है पीड़िता, पति मुंबई में

पूरा मामला चकिया घरहरा गांव का है। यहां रानी (38) और उसकी बेटी मेनका (4) को जिंदा जलाने की कोशिश की गई। रानी का पति राजेश मुंबई में एक कंपनी में नौकरी करता है। गांव के घर पर राजेश की मां के अलावा, उसकी पत्नी, तीन बेटियां और एक बेटा रहते हैं। सोमवार रात सभी बरामदे में सो रहे थे। रानी अपनी चार वर्षीय पुत्री मेनका के साथ अलग चारपाई पर सो रही थी। देर रात करीब 1रू15 बजे मां –बेटी के ऊपर किसी ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई।

आग लगी तो चीखीं तब पता चला : रानी और उसकी बेटी चीखने चिल्लाने लगी तो बगल में सो रही सास और अन्य तीनों बच्चों की नींद खुल गई। आधी रात पूरा गांव जमा हो गया। आग से मां–बेटी बुरी तरह झुलस गईं। दोनों को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। पूछताछ में साफ हुआ है कि अंधेरे में किसी ने तेल डाला और आग लगा दी। फिलहाल, घटना की सच्चाई जानने को पुलिस गांव में पूछताछ कर रही है।

ऐसी भी क्या जल्दी थी, हड़बड़ी में असिस्टेंट प्रोफेसर की चयन प्रक्रिया पूरी करने पर कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कॉमर्स एंड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट में असिस्टेंट प्रोफेसर की चयन प्रक्रिया में बरती गई हड़बड़ी को देखकर हैरानी जताई। पूछा, इतनी भी क्या जल्दी थी कि कोर्ट में सुनवाई के दौरान ही चयन प्रक्रिया पूरी कर ली। कोर्ट ने सामान्य श्रेणी का एक पद खाली रखने का निर्देश देते हुए विश्विद्यालय से पांच अगस्त तक जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की अदालत ने दिविशा अग्रवाल की याचिका पर दिया है। याची ने विश्वविद्यालय की ओर से नवंबर 2022 में इलाहाबाद डिग्री कॉलेज के लिए विज्ञापित असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए होने वाले साक्षात्कार की चयन सूची को चुनौती दी थी। याची का दावा है कि वह पद के लिए योग्य उम्मीदवार है लेकिन उसे साक्षात्कार में नहीं बुलाया गया। याची के अधिवक्ता सुदीप हरकौली ने दलील दी कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों के मुताबिक वाणिज्य विषयों की सीधी भर्ती के लिए परास्नातक में 55 प्रतिशत अंक अनिवार्य है। याची बीकॉम के साथ एमबीए भी किया है, जो परास्नातक डिग्री है और विज्ञापित पद के लिए प्रासंगिक है।

अपने तर्क के समर्थन में याची ने केंद्रीय विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) की ओर से जारी विज्ञापन का हवाला दिया, जिसमें एमबीए की डिग्री को प्रासंगिक माना गया है। कोर्ट ने मामले को विचारणीय मानते हुए 24 जुलाई को विश्वविद्यालय प्रशासन से जबाव तलब करते हुए 26 जुलाई को मामले की सुनवाई नियत की थी। याची के अधिवक्ता ने सुबह कोर्ट को अवगत कराया कि साक्षात्कार को लेकर विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक दोपहर एक बजे आहूत की गई है। इस पर कोर्ट ने मामले की सुनवाई 12 बजे नियत की।

अदालती नोटिस

वाद पदों के स्थरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश ५, नियम १ और ५)
न्यायालय प्रधान पारिवारिक न्यायाधीश
(कक्ष संख्या ३) इलाहाबाद

वैवाहिक वाद संख्या **२०७०** सन २०२३

राजेश यादव उम्र लगभग ४० वर्ष , पुत्र बैजनाथ यादव निवासी मुलपता ७०७ /१०/१ मीरापुर , मकान नंबर ५२२ के अंत तक मीरापुर थाना अतरसुइया प्रयागराज , हाल पता चमनगंज झूंसी प्रयागराज । **...वादी**

बनाम

श्रीमती शिल्पा यादव उम्र लगभग ३३ वर्ष पत्नी राजेश यादव पुत्री स्वर्गीय दिनेश चन्द्र केसरवानी, निवासिनी हालमुकाम ७०७ /१०/१ मीरापुर हर्षवर्धन नगर थाना अतरर्सुइया प्रयागराज । **...प्रतिवादिनी**

अंतर्गत धारा ९ हिन्दू विवाह अधिनियम १९५५

चूँकि वादीगण ने आपके खिलाफ के लिए वाद संस्थित किया है अतएव आपको एतदद्वारा आहूत क्या जाता है कि आप या स्वयं ऐसे अधिवक्ता द्वारा जोकि सम्यक रूपेण अनुदिष्ट है और वाद सम्बन्धी सब सारवान प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ हैं या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति है जो कि ऐसे सब प्रश्नो के उत्तर देने में समर्थ हैं । **२०२४ के ०९ के ०४** दिवस को १०:३० बजे आहूत ने दावे का उत्तर देने के लिए इस न्यायालय में उपसंजाति हो और आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन ऐसे सब दस्तावेजों को पेश करें जिनका कि अपनी प्रतिरक्षा के समर्थन में सहारा लेने का आपका आशय हो। आपको यह सूचना दी जाती है पूरवर्णित दिवस को आपको उपसंजाति चूँक होने पर वाद आपकी अनुपस्थिति में सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा ।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित आज के दिवस को निकला गया ।

नियत तिथि - **०४/०९/२०२४**

न्यायाधीश

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी) वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेंडरिंग) के माध्यम से 'खुली' निविदा आमंत्रित करते है।

ई निविदा सूचना सं0:–एनईआर–बीएसबी–2024–99, कार्य का नाम: वाराणसी– प्रयागराज रामबाग अनुभाग मे सुरक्षा बाड़ का प्रावधान। अनुमानित लागत: ₹ 1,02,13,70,609/– बिड सिक्योरिटी(अमानत राशि): ₹ 52,56,900.00, निविदा बन्द होने की तिथि: 10.09.2024, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 24 माह।

निविदा सूचना सं–एनईआर–बीएसबी –2024–99 दिनांक 10.09.2024 को 14.30 बजे तक ऑनलाइन जमा कर सकेंगें। पूर्ण विवरण एवं निविदा के प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबंधक/(इंजी)
मुजाधि/डब्लू–179 वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, संरचना, ठहराव, दिन एवं मार्ग पर चलेंगी । जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी सं. 04123/04124 प्रयागराज - मानिकपुर - हज़रत निज़ामुद्दीन सुपरफास्ट स्पेशल (हफ्ते में दो दिन)

प्रयागराज जं. से : गाड़ी संख्या 04123 दिनांक : 04.08.2024 से 28.08.2024 तक (प्रत्येक रविवार एवं बुधवार)

हज़रत निज़ामुद्दीन से : गाड़ी संख्या 04124 दिनांक : 05.08.2024 से 29.08.2024 तक (प्रत्येक सोमवार एवं गुरुवार)

गाड़ी सं. 04141/04142 सूबेदारगंज - शहीद कप्तान तुषार महाजन सुपरफास्ट स्पेशल (हफ्ते में एक दिन)

सूबेदारगंज से : गाड़ी संख्या 04141 दिनांक : 05.08.2024 से 26.08.2024 तक (प्रत्येक सोमवार)

शहीद कप्तान तुषार महाजन से : गाड़ी संख्या 04142 दिनांक : 06.08.2024 से 27.08.2024 तक (प्रत्येक मंगलवार)

नोट : ट्रेन समय-सारणी सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें

उत्तर मध्य रेलवे 1340/24 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा नं.: निविदा सूचना सं.CEN-2024-25-06 दिनांक: 26.07.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य (इंजी.)/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/ प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 20.08.2024 के समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं का विवरण इस प्रकार है।

कार्य का विवरण: 1.खैरार-मानिकपुर दोहरीकरण परियोजना के संबंध में खैरार से मानिकपुर तक रिटेनिंग वॉल, टो वॉल, सड़क ड्रेन और कैच वॉटर ड्रेन, साईड ड्रेन का निर्माण। 2.भरतकूप गुड्स शेड में स्व- समर्थित छत प्रणाली से कवर शेड का निर्माण। 3.बांदा से डिंगवाही में गुड्स शेड के स्थानांतरण के संबंध में डिंगवाही में स्व-समर्थित छत प्रणाली, मर्चेंट रूम और अन्य सुविधाओं से कवर शेड का निर्माण ।

अनुमानित मूल्य (रु.): 72.05 Cr | **बोली प्रतिभूति (रु.):** 37,52,600/-

कार्य समापन की अवधि: 12 माह. निविदा बंद करने की तिथि और समय: **20.08.2024, 15:00 बजे, निविदा खुलने की तिथि: 20.08.2024, 15:30 बजे, निविदा का प्रकार:** ओपेन टेण्डर (दो पैकेट प्रणाली एवं इलेक्ट्रानिक रिवर्स ऑक्शन)।

नोट:– 1. उपरोक्त ई–निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय 15:00 बजे तक निविदा भरने की तिथि दिनांक 20.08.2024 तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई–बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको IT Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. बोली प्रतिभूति या तो ई–भुगतान गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में प्रस्तुत की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। बैंक गारंटी बांड निविदा दस्तावेज में दिये गये अनुलग्नक–बीआईए के अनुसार होगा और बोल वैधता अवधि से परे 90 दिनों की अवधि के लिए वैध होगा। 4. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 5. निविदा की राशि 10 करोड़ से अधिक होने पर संयुक्त उद्यम (जे.वी.)/Consortiums/MOUs पर विचार किया जायेगा। 6. संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदा कर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 7. सभी निविदाओं हेतु निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण–पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 8. निविदा दस्तावेज में उल्लिखित योग्यता/मानदण्डों को पूरा करने के दावे के समर्थन में अपलोड किये गये दस्तावेजों/प्रमाण–पत्रों की प्रतिलिपि की पृष्ठ को टेण्डरर फर्म के निविदाकार या अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्वयं प्रमाणित/डिजिटल हस्ताक्षरित किया जायेगा। स्वयं प्रमाणन में हस्ताक्षर, मोहर और तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) अंकित होनी चाहिए। केवल वे दस्तावेज जिन्हें निविदाकार द्वारा स्पष्ट रूप से घोषित किया गया है कि निर्धारित पात्रता मानदण्डों की अर्हता प्राप्त करने के दावे का समर्थन करने वाले दस्तावेज को ही उनकी निविदा का मूल्यांकन करने के लिए विचार किया जायेगा। निविदाकार द्वारा दी गयी किसी भी गलत जानकारी के मामले में अनुबन्ध समाप्त कर दिया जायेगा एवं बोली प्रतिभूति, परफारमेंस गारन्टी और सिक्योरिटी डिपाजिट जब्त कर ली जायेगी और भारतीय रेलवे में एजेंसी पर 5 (पाँच) वर्ष तक कोई भी व्यवसाय करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया जायेगा। 9. सरकारी अधिकारियों द्वारा समय–समय पर जारी जी.एस.टी. अधिनियम और सरकार/सम्बन्धित प्राधिकरण द्वारा समय–समय पर जारी किये गए नियम लागू होंगे। 10. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 11. निविदा ऑनलाइन दिनांक 20.08.2024 को समय 15:00 बजे तक सबमिट किया जा सकता है तथा निविदा 15:30 बजे उसी दिन खोली जायेगी। 1330/24 (A)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

तिनसुकिया गोलाघाट की जुलाई माह की काव्य गोष्ठी संपन्न

तिनसुकिया गोल घाट । समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट की जुलाई महीने की महिला काव्य गोष्ठी दिनांक 28ध्7ध्2024 को शाखा अध्यक्ष आ. रंजना बिनानी जो की अध्यक्षता में आंनलाइन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई । इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि अर्चना जायसवाल सरताज जी , विशिष्ट अतिथि आ. राधा बिनानी जी रही।

यह काव्य गोष्ठी प्रातः 11 बजे से ऑनलाइन रखी गई। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता रंजना बिनानी जी द्वारा की गई। मां सरस्वती की मूर्ति स्थापना ,दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण रंजना बिनानी जी द्वारा किया गया काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन आ. सरला बजाज जी ने किया। मां सरस्वती की वंदना सीमा सिंघी जी द्वारा प्रस्तुत की गई।

इस काव्य गोष्ठी में ....

सरला बजाज, रंजना बिनानी, भगवती बिहानी, पूनम अग्रवाल, सीमा सिंघी , निशा काबरा जी द्वारा बहुत सुंदर सुंदर प्रस्तुतियां दी गई । सभी की रचनाएं एक से बढ़कर एक थी। प्रत्येक माह गोलाघाट असम शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का सफलतम आयोजन किया जाता है ,और सभी की उपस्थिति सराहनीय रहती है ..इस बार भी आप सब की उपस्थिति ने आयोजन में चार चांद लगा दिये।

धन्यवाद ज्ञापन शाखा अध्यक्षा रंजना बिनानी द्वारा दिया गया।

इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

इंदौर । शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी आशा जाकड़ के संयोजन में उमा मिश्रा प्रीति मध्य प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।

इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि साधना शुक्ला

एवं विशिष्ट अतिथि

अनीता दुबे।

काव्य गोष्ठी की शुभारंभ अध्यक्षता कर रही उमा मिश्राष प्रीतिष्द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती देवी की प्रभा तिवारी सुंदर वंदना द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन प्रेरणा सेन्दे ने किया।इस काव्य गोष्ठी में डा.अंजुल कंसल,संतोष तोषनीवाल,डॉ शशिकला

अवस्थी,नीति अग्निहोत्री ,डॉ शशि निगम, श्रुति चौधरी,लताष्सेनष्, गायत्री शर्मा,,शोभा रानी तिवारी ऊषा यादव ,सीता सेन, प्रभा तिवारी, हेमा जैन,सुषमा शुक्ला आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें , धन्यवाद ज्ञापन

अंजुल कंसल ने किया।

विश्वनाथ में केंद्रीय हिंदी निदेशालय शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर का पुस्तक लोकार्पण के साथ भव्य समापन हुआ

स्थानीय हिंदी विद्वान हरि लुईटेल (उपाध्याय) के पुस्तक ष्अष्ट– आयामष पुस्तक हुआ विमोचन'

'पांच दिवसीय शिविर में देश के प्रसिद्ध हिंदी विद्वान शिरकत कर शिविरार्थियों को हिंदी भाषा तथा साहित्य की विविध विधाओं के ज्ञान से किया लाभान्वित'

बिश्वनाथ,असम स केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) भारत सरकार तथा बिश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के संयुक्त तत्वावधान में हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर का कल अपराह्न 2 बजे समापन सत्र के साथ साहित्यिक कुंभ का भव्य समापन हुआ।इस पाँच दिवसीय शिविर में हिंदी भाषा तथा साहित्य की विविध विधाओं पर परिचर्चा एवं कार्यशाला जो गत २५ जुलाई से २९ जुलाई हुई। कल (सोमवार) सर्वप्रथम द्वादश सत्र कृषि यंत्र प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, उत्तर पूर्वी क्षेत्र, विश्वनाथ तथा भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृति प्राप्त भारत के सर्वश्रेष्ठ गाँव पर्यटन नगरी गुप्तकाशी विश्वनाथ स्थल पर मार्गदर्शक द्वारा शिविरार्थियों के साथ हिंदी भाषा तथा साहित्य की विविध विधाओं पर प्रत्यक्ष दर्शन पर परिचर्चा हुई। इस सत्र के सान्निध्य के रूप में अखिल भारतीय मार्गदर्शक, स्थानीय हिंदी विद्वान और कृषि यंत्र प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, उत्तर पूर्वी क्षेत्र के निदेशक पी. कमलाबाई मौजूद थी।सर्वप्रथम निदेशक महोदया को समिति के तरफ से फुलाम गामोछा से अभिनंदन किया गया।इसके बाद अपराह्न २ बजे समापन सत्र का शुरू हुआ, जहाँ वि.चा.रा.भा. प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह के अध्यक्षता और उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता के संचालित समापन सत्र में शिविर प्रभारी के रूप में डॉ० शालिनी राजवंशी ,सहायक निदेशक (भाषा),केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार,विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ० अनुश्रब, वरिष्ठ सहायक आचार्य, हिंदी विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, डॉ. चंद्रशेखर चौबे, क्षेत्रीय निदेशक, गुवाहाटी केंद्र, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा,डॉ० चिंतामणि शर्मा, प्राचार्य ,विश्वनाथ महाविद्यालय , निमंत्रित अतिथि दीप प्रज्वलक के रूप में जितेन भगवती,वरिष्ठ शिक्षाविद व समाजसेवक,विश्वनाथ, अखिल भारतीय स्तरीय मार्गदर्शक डॉ० विक्कुल पाठक, डॉ० बृजेश कुमार,डॉ० आलोक सिंह,स्थानीय मार्गदर्शक डॉ० राजीव रंजन प्रसाद को फुलाम गामोछा से भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद वरिष्ठ शिक्षाविद जितेन भागवती ने दीप प्रज्वलन कर समापन सत्र का आगाज किया। शिविरार्थी द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। स्वागत भाषण समिति के कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय ने प्रस्तुति की शिविर समन्वय व समिति के सचिव संतोष कुमार महतो ने पाँच दिवसीय शिविर का विस्तार से रिपोर्ट प्रस्तुति दी।इस बीच शिविरार्थी प्रदीप पराजुली ने गीत, अरुण साहनी ने गीत और आनोवारा खातुन ने गजल पेश की। उपस्थित अतिथि ने विश्वनाथ में हुए हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर का प्रशंसा का पुल बांधते हुए निदेशालय और समिति को धन्यवाद दी। उन्होंने कहा– इस शिविर से सभी शिविरार्थी बहुत लाभकारी हुए होंगे और हिंदी भाषा व साहित्य के लिए कार्य करने के लिए शिविरार्थी से अपील की। इस मौके पर वरिष्ठ साहित्यकार व हिंदी प्रेमी हरि लुईटेल (उपाध्याय) का प्रथम निबंध संकलन ष्अष्ट–आयामष का तेजपुर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ सहायक आचार्य हिंदी विभाग के डॉ० अनुश्रब और केंद्रीय हिंदी निदेशालय के सहायक निदेशक डॉ० शालिनी राजवंशी ने संयुक्त रूप से पुस्तक का लोकार्पण किया। इस पुस्तक पर डॉ० अनुश्रब ने अपना श्रद्धांजलि देते हुए पुस्तक के समीक्षा पर व्याख्यान दी। तत्पश्चात अध्यक्ष, अतिथियों के कर कमलों से हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविरार्थी का प्रमाण पत्र वितरण किया गया। शिविर प्रभारी डॉ० शालिनी राजवंशी ने सर्वप्रथम शिविरार्थी को धन्यवाद दिया, जो पाँच दिन तक अपनी उपस्थिति नियमित देते रहे हैं। उन्होंने कहा आप सभी हिंदी साहित्य में कार्य करने के लिए आगे आये और हिंदी के लिए कार्य करें।अंत समापन सत्र के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह ने अध्यक्षीय भाषण में केंद्रीय हिंदी निदेशालय को शुक्रिया किया जिन्होंने विश्वनाथ में हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर के माध्यम से हिंदी साहित्य को जानकारी सभी लेखनीय नवलेखक निर्माण में कार्य कर रहे हैं। इस कार्य में हमारे संस्थान का सहयोगी बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापन करता हूँ।इस शिविर से हमारे शिविरार्थी को हिंदी भाषा तथा साहित्य के विविध विधाओं की जानकारी प्राप्त हुई । साथ ही इसके देशजगर के विभिन्न आयामों की ज्ञान मिली। समापन सत्र में समिति के सदस्या व विश्वनाथ महाविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यापिका गीता वर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ गरिमामयी कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।उल्लेखनीय है कि २५ जुलाई को १०.०० बजे से ११.३० बजे तक उद्घाटन सत्र हुए जिसमें अध्यक्षता की प्रभुनाथ सिंह, अध्यक्ष, वि. चा.रा.भा. प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति जबकि मुख्य अतिथि प्रमोद बरठाकुर, विधायक, विश्वनाथ विधानसभा समष्टि, विशिष्ट अतिथि एवं अमरज्योति बरठाकुर, चेयरपर्सन, विश्वनाथ हिंदी नगरपालिका मौजूद थे। दीप प्रज्वलन शिविर प्रभारी डॉ. शालिनी राजवंशी ने किया जिसमें सरस्वती वंदना व स्वागत गीत संस्थान के विद्यार्थी तथा कार्यकर्ताओं द्वारा हुआ।स्वागत भाषण संस्थान के उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके बाद ऑनलाइन माध्यम के जरिए केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार के निदेशक प्रो० सुनील बाबुराव कुलकर्णी जी सभा उद्बोधन किए। संस्थान का परिचय शिविर निदेशक व संस्थान के सचिव संतोष कुमार महतो ने दी। केंद्रीय हिंदी निदेशालय के सहायक निदेशक (भाषा) व शिविर प्रभारी डॉ०. शालिनी राजवंशी द्वारा केंद्रीय हिंदी निदेशालय का परिचय प्रस्तुत किया। संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय के द्वारा संचालित उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापन साहित्यिक सचिव मदनगोपाल साहू ने किया। इस नवलेखक शिविर के दौरान हिंदी भाषा तथा साहित्य की विविध विधाओं पर व्याख्यान सत्र प्रस्तुत हुआ जिसमें देश के कई हिंदी विद्वान एवं साहित्यकारों के पंक्ति ने भाग लिया।जिसमें अखिल भारतीय स्तरीय के मार्गदर्शक के रूप में क्रमशः पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा पंजाब के जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग के सह –प्राध्यापक डॉ० विक्कुल पाठक, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग मेघालय के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ० आलोक सिंह, नागालैंड विश्वविद्यालय, कोहिमा के हिंदी विभाग सहायक आचार्य डॉ० बृजेश कुमार और स्थानीय मार्गदर्शक व विद्वान के रूप में क्रमशः तेजपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय, तेजपुर असम के हिंदी विभाग के वरिष्ठ सहायक आचार्य डॉ० अनुश्रब, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, ईटानगर अरुणाचल प्रदेश के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ० राजीव रंजन प्रसाद, पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी, तेजपुर के अध्यक्ष गीता सिंह सर्जना, नगाँव विश्वविद्यालय , नगाँव के हिंदी विभाग सहायक आचार्या डॉ० करबी देवी, विश्वनाथ वरिष्ठ साहित्यकार व सेवानिवृत्त हिंदी शिक्षक हरि लुईटेल (उपाध्याय) तथा प्राग्ज्योतिष महाविद्यालय, गुवाहाटी हिंदी विभाग के सहायक आचार्या डॉ० नंदिता राजवंशी मौजूद थे।साथ ही इस साहित्यिक परिचर्चा में शहर समता प्रयागराज से प्रकाशित विश्वनाथ के कवयित्री व प्रचारक सैयदा आनोवारा खातुन के विशेषांक का लोकार्पण किया गया। इस साहित्यिक कुंभ का शिविर समन्वयक व सचिव संतोष कुमार महतो की भूमिका में हुई। इस शिविर में हिंदी व साहित्य प्रेमी ने बढ़ चढ़ कर अपनी भागिदारी दी ।

भयहरण नाथ धाम में सावन के दूसरे मंगलवार का रेला

सुव्यवस्था की हुई सराहना, चप्पे चप्पे पर तैनात रही पुलिस

सामूहिक रुद्राभिषेक व कीर्तन भजन आदि जारी

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में सावन मास के द्वितीय मंगलवार को परम्परा गत मेले के नाते

भक्तो का रेला लगा रहा । पंक्तिबद्ध दर्शन की सुव्यवस्थित व्यवस्था की सराहना भक्तो व श्रद्धालुओ द्वारा हो रही थी। पुलिस व कार्यकर्ताओ की उतम व्यवस्था रही। कांवरिया बंधुओ का धाम में निरंतर आवागमन लगा हुआ है। पुजारियों द्वारा उनका स्वागत सत्कार व दर्शन व्यवस्था प्राथमिकता पर कराई जा रही है। यह जानकारी देते हुए भयहरण नाथ धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया की थानाध्यक्ष जेठवारा धर्मेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी गणेश पटेल के संयोजन में पुलिस की उत्तम व्यवस्था रही। मुख्य मंदिर के पुजारी भोला नाथ तिवारी सहित सभी मंदिरों के पुजारी सुबह 5 बजे भोले नाथ का अभिषेक करके मन्दिर के कपाट जनता जनार्दन हेतु खोल दिये। वहीं धाम मे बने अस्थाई थाना के पुलिस कर्मियों द्वारा सभी पॉइंट पर अपनी सेवाएं दी गई। महासचिव समाज शेखर के मार्गदर्शन में कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र के संयोजन में कार्यकर्ताओ ने अपनी भूमिका निभाई। उपाध्यक्ष संगठन डॉ अमर बहादुर सिंह व उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह ने प्रबन्ध समिति की ओर से पर्यवेक्षण करके सभी व्यवस्था में सहयोग किया। सभी व्यवस्था में मन्दिर व मेला व्यवस्था समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों ने अपनी भूमिका निभाई। देर शाम को धाम स्थित श्री राम मंदिर में धाम की संगीत व कीर्तन मंडली द्वारा सुंदर कांड का पाठ व भजन कार्यक्रम हुआ। जिसमे रामू तिवारी, मदन मौर्य, धोनू सिंह आदि शामिल रहे। वहीं झूँसी प्रयागराज के सिद्ध संत सर्वेश जी महाराज के संरक्षण में सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन आचार्य कार्तिकेय शास्त्री द्वारा संरक्षक लालता प्रसाद मिश्र के संयोजन में जारी रहा। जिसमे उमेश अग्रहरि, बटुक अग्रहरि, संदीप अग्रहरि, राम कृष्ण अग्रहरि, प्रभात सिंह, सुशील मिश्र, संजय गुप्ता, आदि ने प्रतिभाग किया। देर शाम तक भक्तो का आगमन जारी रहा। सभी मंदिरों के पुजारी व कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी निभाते रहे।

राष्ट्रीय निर्माण की प्रक्रिया में समाजशास्त्र की महत्ता विषयक व्याख्यान आयोजित

प्रयागराज। ईश्वर शरण पीजी कॉलेज प्रयागराज द्वारा यूजीसी एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की महत्वाकांक्षी शिक्षक प्रशिक्षण परियोजना मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी) के तत्वावधान में ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स ष्कंटेंपरेरी पर्सपेक्टिव इन सोशियोलॉजिकल इंक्वायरीष(30 जुलाई से 14 अगस्त 2024) के उद्घाटन सत्र एवं प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता प्रख्यात समाजशास्त्री, शिक्षाविद एवं सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता प्रो. आनंद कुमार भूतपूर्व अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने ष्राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में समाजशास्त्र की महत्ताष विषय पर अपना उद्बोधन देते हुए कहा कि हमारा समाज एक प्राचीन संस्कृति का वारिस है, 1947 से हम स्वराज निर्माण या राष्ट्र निर्माण पर निकले हैं,इसमें समाज विज्ञान विज्ञान एवं राजनीति सब का योगदान होता है। नीति निर्माण एवं योजनाओं में समाजशास्त्र की गौण भूमिका रही है यह चिंताजनक है लेकिन राष्ट्र निर्माण में समाजशास्त्र की मुख्य भूमिका है और वह अपनी इस भूमिका का सम्यक रूप से निर्वहन करता रहा है।इसके साथ ही

उन्होंने राष्ट्र निर्माण के मौलिक पहलुओं की चर्चा करते हुए राष्ट्र निर्माण क्या है, समाज विज्ञान में समाजशास्त्र कहां है। राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में वैश्विक पहलुओं को समाहित करते हुए यूरोप में जर्मनी ,फ्रांस, पुर्तगाल एवं रूस,युगोस्लाविया तथा दक्षिण एशिया में हमारे पड़ोसी पाकिस्तान ,बांग्लादेश एवं चीन के राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया की गंभीरता पूर्वक चर्चा करते हुए एक सम्यक तुलनात्मक विवेचन भी प्रस्तुत किया। तथा भारतीय समाजशास्त्रियों द्वारा राष्ट्र निर्माण संबंधी अध्ययनों की एक विस्तृत रूपरेखा भी प्रस्तुत की और समकालीन परिदृश्य में हो रहे अध्ययनों एवं वर्तमान विषयों तथा अध्ययनों को रेखांकित किया। इसके पश्चात प्रतिभागियों द्वारा प्रकट की गई जिज्ञासाओं का भी समुचित उत्तर देते हुए सत्र को रोचक बनाए रखा । द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता प्रो. कुमार सुरेश शैक्षिक प्रशासन विभाग न्यूपा(छम्प्ध्।) नई दिल्ली द्वारा ष्सोशियोलॉजी फॉर द 21वज सेंचुरी ग्लोबल कॉन्टेक्स्ट एंड इंडियन इंपरेटिव्सष विषय पर अपना उद्बोधन देते हुए कहा कि 21वीं सदी समाजशास्त्र के लिए गंभीर चुनौती की सदी है। आज हम वैश्वीकरण, उत्तर आधुनिकता, सूचना समाज, ज्ञान मूलक समाज, नागरिक समाज और कृत्रिम बुद्धिमता के समाज में रह रहे हैं। समाजशास्त्रियों के समक्ष रिविजिटिंग सोशियोलॉजी जैसे महत्वपूर्ण विषय आ रहे हैं और हमें समकालीन उपरोक्त परिदृश्य के संदर्भ में इस वैश्विक चुनौतियों के साथ अपने समाज में विकास, विस्थापन, स्तरीकरण, मूल्य और आदर्श उनके साथ–साथ ही समकालीन परिवर्तन एवं उसके साथ प्रभाव विकास विस्थापन प्रगति एवं समरसता के पहलुओं को अपने अध्ययन में समाहित करना होगा। उन्होंने अगस्त काम्ट से लेकर दुर्खीम, मिड, ब्लूमर और भारतीय समाजशास्त्रियों श्रीनिवास ,श्यामा चरण दुबे रामकृष्ण मुखर्जी, डीपी मुखर्जी डीएम धनागर,योगेंद्र सिंह आदि समाज वैज्ञानिकों को उपरोक्त संदर्भ में महत्व को रेखांकित किया। उद्घाटन सत्र में अतिथियों का स्वागत एवं रिफ्रेशर कोर्स की रूपरेखा कार्यक्रम के संयोजक डॉ विकास कुमार ने प्रस्तुत की । प्रशिक्षण केंद्र के सहायक निदेशक डॉ मनोज कुमार दुबे ने एमएमटीटीसी केंद्र की रूपरेखा तथा उपलब्धियां की चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन सहायक संयोजक डॉ विवेक कुमार यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रतिभागी शिक्षक डॉ सुजीत कुमार ने किया । इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापको डॉ धीरज चौधरी, डॉ आनंद सिंह, डॉ अरविंद कुमार मिश्र, डॉ गायत्री सिंह एवं देश के विविध क्षेत्र विविध राज्यों से लगभग 100 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

भोलानाथ कुशवाहा के बालगीत संग्रह बन्दर आया-बन्दर आया का लोकार्पण

कुशवाहा कुशल बाल मनोविज्ञानी– डॉ अनुज प्रताप सिंह

अनेक रचनाकारों ने संग्रह के प्रकाशन पर बधाई दी

मिर्जापुर ।साहित्य चेतना समाज , मिर्जापुर शाखा के तत्वावधान में चेतना प्रवाह कार्यक्रम के अंतर्गत आचार्य रामचन्द्र शुक्ल शिक्षण संस्थान, रमईपट्टी में वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा के बालगीत संग्रह श्बंदर आया – बंदर आयाश का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ अनुज प्रताप सिंह ने की। मुख्य अतिथि श्री अश्विनी कुमार आलोक, वरिष्ठ उपन्यासकार , कथाकार एवं पत्रकार, बिहार तथा विशिष्ट अतिथि श्री अमरनाथ तिवारी संस्थापक साहित्य चेतना समाज, गाजीपुर, श्री प्रभाकर त्रिपाठी, संगठन सचिव, साहित्य चेतना समाज, गाजीपुर एवं प्रबंधक,आचार्य रामचन्द्र शुक्ल शिक्षण संस्थान, मिर्जापुर श्री राकेशचंद्र शुक्ल रहे। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ रामदुलार पराया , वरिष्ठ बाल साहित्यकार व समीक्षक डॉ रमाशंकर शुक्ल ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन साहित्यकार अरविंद अवस्थी ने बड़ी कुशलता से किया। डा० अनुज प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में कुशवाहा जी को कुशल बाल मनोविज्ञानी बताते हुए कहा कि बिना बाल मनोविज्ञान को निकट से समझे सार्थक बाल साहित्य रचा ही नहीं जा सकता। मुख्य अतिथि अश्विनी कुमार ने कहा कि कवि ने वर्तमान समय की टूटन को संग्रह में रेखांकित किया है। अमरनाथ तिवारी ने कहा कि कुशवाहा जी ने बालकों को नई दिशा दी है। डा० रमाशंकर शुक्ल ने संग्रह के बाल गीतों के मर्म को समझाते हुए कहा कि रचनाकार ने स्वयं को बच्चा समझकर उनकी अनुभूति तक पहुँचने में सफलता हासिल की है। प्रभाकर त्रिपाठी और राकेशचंद्र शुक्ल ने संग्रह की विशेषता पर अपने विचार रखे।

बाल साहित्यकार रामदुलार पराया ने कहा कि इस संग्रह में विषयों की विविधता के साथ बच्चों की अभिरुचियों का विशेष ध्यान रखा गया है।

इस अवसर पर नारायण जी उपाध्याय, रवीन्द्र कुमार पाण्डेय, प्रतिमा शर्मा , केदारनाथ सविता, नंदलाल सिंह श्चंचल श , आनंद केसरी, नंदिनी वर्मा , पूजा यादव आदि ने अपने विचार रखे। सृष्टि राज ने संग्रह से काव्यपाठ किया। इस अवसर पर शामिल लोगों में रीतेश सिंह,मुहिब मिर्जापुरी,अमरनाथ सिंह,श्याम अचल, शशिकला श्रीवास्तव,प्रियंका विश्वकर्मा, प्रतिभा श्रीवास्तव,डॉ प्रमोद पांडेय, जितेंद्र प्रजापति,गणेश प्रसाद,आशीष शुक्ल, मेवालाल प्रजापति, श्यामबाबू मिलन कुमार, अमरनाथ, आनंद केसरी, कृष्णकांत प्रजापति आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। अतिथियों के स्वागत में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल विद्यालय की बच्चियों ने स्वागत गान प्रस्तुत किया।

धन्यवाद ज्ञापन आनंद अमित ने किया।

केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन में हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन सम्पन्न

प्रयागराज ।केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन में दिनांक 30.07.2024 को मुख्य राजभाषा अधिकारी, श्री संजय सिंह नेगी की अध्यक्षता में हिंदी निबंध, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा

वाक् प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतियोगियों को संबोधित करते हुए मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री संजय सिंह नेगी ने कहा कि राजभाषा हिन्दी का व्यापक प्रचार– प्रसार इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से होगा। उन्होंने कहा प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त करने से भी ज्यादा महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में भाग लेना होता है। उन्होंने बताया कि जो प्रतियोगी इस क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता में सफल घोपित होते हैं, उन्हें अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलता है। इसलिए आप सभी प्रशंसा के पात्र हैं। आप सभी प्रतियोगियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं कि आप सभी न सिर्फ क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता में बल्कि अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता में शामिल होकर केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन का नाम गौरवान्वित करें। उक्त प्रतियोगिताओं में कोर मुख्यालय सहित अम्बाला, जयपुर, चेन्नै तथा सिकंदराबाद परियोजनाओं के कर्मचारियों ने भाग लिया। उक्त सभी प्रतियागिताएं उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री कल्याण सिंह की देख–रेख में सम्पन्न कराई गई।

स्व कवि शुभम श्रीवास्तव ओम की जयंती, श्रद्धा सुमन अर्पित

गणेश गंभीर के दोहा संग्रह लोक गया नेपथ्य में का लोकार्पण

मिर्जापुर। स्थानीय तहसील सभागार में दिवंगत नव गीतकार शुभम् श्रीवास्तव ओम के जन्म जयंती समारोह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार गणेश गंभीर कृत शुभम् श्रीवास्तव ओम को समर्पित दोहा संग्रह श लोक गया नेपथ्य में श का लोकार्पण जानी मानी शिक्षाविद डॉ० शीला सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ अनुज प्रताप सिंह , डॉ भुवनेश्वर, डॉ रमाशंकर यादव, भोलानाथ कुशवाहा , राजेंद्र त्रिपाठी ष लल्लू तिवारीष , आदि ने विमोचित कृत पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शुभम् श्रीवास्तव ओम को भावांजलि अर्पित की। अतिथियों का

स्वागत पूजा यादव ने किया एवम धन्यवाद ज्ञापन लेखपाल संघ की अध्यक्ष बेनू यादव ने किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ शीला सिंह ने व संचालन श्याम अचल और रामाश्रय ने किया। इस अवसर पर समारोह में श्री राम , बेबी विश्वकर्मा, अरविंद पांडेय, राहुल , रवि शंकर, सुरेंद्र , अवनीश , नंदिनी वर्मा, केदारनाथ श्सविताश, मंजू चौरसिया, दिनेश चौरसिया ,आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती प्रतिमा के माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात शुभम् श्रीवास्तव ओम के चित्र पर लोगों ने पुष्प अर्पित किया।

शादी से इंकार करने पर युवती की बेरहमी से हत्या

– एकतरफा प्यार में दिया सनसनीखेज वारदात को अंजाम

– क्राइम ब्रांच यूनिट–3 द्वारा 12 घंटे के भीतर आरोपी गिरफ्तार

म्हालुंगे, । एकतरफा प्यार में शादी से इंकार करने पर युवती की बेरहमी से हत्या कर दी गई. यह सनसनीखेज वारदात रविवार की रात करीब 11.15 बजे खेड़ तहसील के आंबेठाण में हुई. आरोपी को क्राइम ब्रांच यूनिट–3 ने 12 घंटे के भीतर सातारा और कराड के बीच गिरफ्तार कर लिया.

मृत युवती का नाम प्राची विजय माने (उम्र 21 वर्ष, निवासी आंबेठाण, तहसील खेड़, मूल निवासी उरुण–इस्लामपुर, तहसील वालवा, जिला सांगली) है. गिरफ्तार आरोपी का नाम अविराज रामचंद्र खरात (नि. बहे, तहसील वालवा, जिला सांगली) है.

क्राइम ब्रांच यूनिट–3 के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शैलेश गायकवाड़ द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, रविवार रात करीब 11.15 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को वारदात की जानकारी मिली. पुलिस ने मौके पर जाकर देखा तो युवती खून से लथपथ हालत में पड़ी थी.

हत्या करने के बाद आरोपी भाग गया था. सबूत मिटाने के लिए वह प्राची का मोबाइल अपने साथ ले गया था. इस वारदात की जांच के लिए 2 टीमें गठित की गई. एक टीम आरोपी के गांव की ओर निकली और दूसरी टीम उसकी गाड़ी को ट्रैक कर रही थी.

एक टीम को जानकारी मिली कि आरोपी अविराज सातारा से कराड रोड की ओर जा रहा है. इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाया और करीब 15 किलोमीटर तक आरोपी का पीछा कर उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने उसके पास से 2 मोबाइल और बाइक को जब्त किया है.

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शैलेश गायकवाड़, पुलिसकर्मी यदु आढारी, सचिन मोरे, विट्ठल ज, वीकेश भोसुरे, सागर जैनक, राजकुमार हनमंते, रामदास मेरगल, योगेश्ध्वर कोलेकर आदि की टीम ने की.

मुंबई में ज्वेलरी शोरूम में फिल्मी स्टाइल में डकैती

–हेलमेट पहनकर बदमाशों ने लुटपाट की

मुंबई, । नवी मुंबई के खारघर में एक ज्वेलरी शोरूम में डकैती का सनसनीखेज मामला सामने आया है. बदमाशों के एक गुट ने कथित तौर पर लाखों रुपये के आभूषण लूट लिए. लुटेरों ने बंदूक की नोक पर बाजार में स्थित शोरूम में लूटपाट की और फरार हो गये. इस दौरान जब कुछ स्थानीय लोगों ने बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की तो उन्होंने फायरिंग कर दी.

खारघर के सेक्टर–30 में स्थित एमबी ज्वेलर्स में यह घटना घटी. रविवार रात में साढ़े ६ बजे के करीब 3 बदमाश दुकान में घुसे और लूट को अंजाम दिया. यह वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. पुलिस लुटेरों की तलाश कर रही है.

वीडियो में दिख रहा है कि हेलमेट पहने बदमाशों ने दुकान से सोने–चांदी के कई आभूषण लूट लिए. कुल 3 अपराधियों ने इस लूटकांड को अंजाम दिया. उनके पास पिस्तौलें थीं. इस घटना से सर्राफा कारोबारियों में सनसनी फैल गई है

सीसीटीवी में कैद हुई डकैती

जिस तरह से लुटेरों ने डकैती की वारदात को अंजाम दिया, उससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह पिछले कई दिनों से इसकी योजना बनाकर आये थे. लुटेरों ने सिर पर हेलमेट पहन रखा था ताकि कोई उनका चेहरा न देख सके और उनका चेहरा सीसीटीवी में भी कैद न हो. एक बदमाश दुकान में घुसते ही पिस्तौल से हवा में फायरिंग करता है और फिर उसके साथी सोने–चांदी के आभूषण लूट लेते हैं. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है. उधर, सर्राफा कारोबारियों ने बदमाशों को जल्द से जल्द पकड़ने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है.

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा की पत्नी स्वीकृति शिंदे गुट में शामिल

मुंबई, । लोकसभा चुनाव के बाद अब राज्य को विधानसभा चुनाव का इंतजार है. इसी के तहत सभी पार्टियों ने जोरदार तैयारियां शुरू कर दी हैं. उद्धव ठाकरे गुट से 2019 में चुनाव लड़े एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा की पत्नी शिंदे गुट में शामिल हो गई हैं

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा की पत्नी स्वीकृति शर्मा एकनाथ शिंदे की शिवसेना पार्टी में शामिल हो गई हैं. प्रदीप शर्मा ने 2019 में उद्धव ठाकरे से विधानसभा चुनाव लड़ा था. वह हितेंद्र ठाकुर के खिलाफ मैदान में उतरे थे. लेकिन उसमें वे हार गये. इसी बीच एंटीलिया केस में प्रदीप शर्मा को सजा सुनाई गई. पूर्व पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. लखनभैया एनकाउंटर मामले में प्रदीप शर्मा को कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी है. बॉम्बे हाईकोर्ट ने शर्मा को जमानत देने से इन्कार कर दिया था. इसके खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था.

सिंधुदुर्ग के जंगल में पेड़ से बंधी मिली अमेरिकी महिला

पासपोर्ट, तमिलनाडु आधार कार्ड के साथ

सिंधुदुर्ग, । महाराष्ट्र के एक जंगल में 50 साल की एक महिला लोहे की जंजीर से बंधी हुई पाई गई, उसके हाथ और पैर लोहे की बेड़ियों से जकड़े हुए थे और महिला को एक बड़े पेड़ से बांध दिया गया था. शनिवार शाम सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला को बचाया और अस्पताल में भर्ती कराया. बताया गया है कि इस महिला के पास से अमेरिकी पासपोर्ट और तमिलनाडु के पते वाले आधार कार्ड की फोटोकॉपी समेत कुछ अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं

कुछ मीडिया में किए गए दावे के मुताबिक ये घटना महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले की है. यहां के सोनुरली गांव में शनिवार शाम एक चरवाहे ने एक महिला की चीख सुनी. जब उसने करीब से देखा तो उसके होश उड़ गए. महिला की हालत ठीक नहीं होने के कारण उसे जंजीर के सहारे पेड़ से बांध दिया गया. इसके बाद चरवाहे ने इसकी सूचना स्थानीय थाने को दी. इसके बाद महिला को छोड़ दिया गया. पुलिस ने बताया कि, महिला को जंगल से बचाए जाने के बाद पहले सावंतवाड़ी अस्पताल और फिर ओरोस में भर्ती कराया गया. उनकी मानसिक और शारीरिक स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है. अब उनकी हालत खतरे से बाहर है. महिला का इलाज करनेवाले डॉक्टर ने बताया कि, महिला को मानसिक परेशानी होने की आशंका है. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, महिला के पास तमिलनाडु के पते वाला आधार कार्ड और अमेरिकी पासपोर्ट की फोटोकॉपी मिली. तदनुसार, उसकी पहचान ललिता काई के रूप में की गई है. उसका वीजा समाप्त हो गया है. पुलिस यह पता लगाने के लिए इन दस्तावेजों का सत्यापन कर रही है महिला की राष्ट्रीयता, क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय से भी संपर्क किया गया है. शुरूआती जानकारी के मुताबिक महिला पिछले 10 साल से भारत में रह रही थी. वह इस वक्त कोई भी बयान देने की स्थिति में नहीं है. कई दिनों की भूख–प्यास से वह कमजोर हो गई है. इस इलाके में भारी बारिश हो रही है. कितने दिन पहले उसे पेड़ से बांधा गया था? इसे क्यों बांधा गया? इसकी जांच की जा रही है. आशंका है कि तमिलनाडु में रहने वाला उसका पति उसे जंगल में बांध कर भाग गया. पुलिस तमिलनाडु, गोवा और अन्य स्थानों पर उसके रिश्तेदारों की तलाश कर रही है.

..शहर समता....बिलासपुर...इकाई. की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

बिलासपुर. । बिलासपुर की महिला काव्य गोष्ठी...डॉ शोभा त्रिपाठी.. के संयोजन मे......... डॉ संगीता बनाफर...... की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि........ डॉ सीमा अवस्थी........ .....एवं विशिष्ट अतिथि डॉ प्रीति प्रसाद रही।

यह काव्य गोष्ठी ..5.00...... बजे से...6..... बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही डॉ संगीता बनाफर द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति ...डॉ सीमा भट्टाचार्य द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन...शुभा भौमिक ने किया। इस काव्य गोष्ठी में.. , डॉ सीमा अवस्थी ,डॉ शोभा त्रिपाठी, डॉ प्रीति प्रसाद ,डॉ संगीता बनाफर ,डॉक्टर सीमा भट्टाचार्य एवं शुभा भौमिक ...ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें जिसमें । धन्यवाद ज्ञापन डॉ संगीता बनाफर ने किया।

सम्पादकीय.....

अग्निपथ विवाद

सेना में अल्पकालिक सेवा के लिए दो वर्ष पूर्व लायी गई अग्निपथ योजना लगातार विपक्षी दलों के निशाने पर रही है। समय–समय पर सेवानिवृत्त रक्षा अधिकारियों ने सशस्त्र बलों में अल्पकालिक भर्ती प्रक्रिया की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इस योजना के विरोध ाभासी मुद्दों को चिन्हित किया है। सवाल इस बात को लेकर उठाये जाते रहे हैं कि कुल अग्निवीरों के पच्चीस फीसदी को भी स्थायी कैडर में शामिल किया जाएगा। जबकि देश में प्रचुर संख्या में जनशक्ति उपलब्ध है। हाल ही में अग्निवीरों के कथित तौर पर आपराधिक गतिविधि ायों में शामिल होने की भी चिंताजनक घटनाएं सामने आई हैं। ऐसे ही सेवा मुक्त होने के बाद रंगरूटों के पथ से भटकाव की आशंकाएं बनी रह सकती हैं। कुछ दिग्गजों ने तो यहां तक कहा है कि सेना की पूर्व निर्धारित भर्ती प्रणाली के साथ छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए। दरअसल, सैन्य वर्ग के भीतर असहमति के अलावा, अग्निपथ योजना राजनीतिक क्षेत्र में भी खासा विवाद का विषय बना हुआ है। पिछले दिनों कारगिल विजय दिवस पर अपने संबोधन में, प्रधानमंत्री ने न केवल इस योजना का जोरदार ढंग से बचाव किया, बल्कि विपक्षी दलों पर भी भर्ती प्रक्रिया पर राजनीति करने का आरोप लगाया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अग्निपथ का उद्देश्य सेनाओं को युवा व फिट बनाना है। उन्होंने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया कि यह पहल पेंशन के पैसे बचाने के लिये की गई थी।उल्लेखनीय है कि कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इस योजना को लगातार निशाने पर लेते रहे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी दलों ने इस योजना को रद्द करने की मांग की है। इतना ही नहीं, सत्तारूढ़ राजग गठबंधन में शामिल सहयोगी दल जनता दल युनाइटेड ने भी इस योजना की व्यापक समीक्षा की मांग सरकार से की है। निस्संदेह, सरकार अग्निपथ योजना को लेकर उठ रही आवाजों को यूं ही नजरअंदाज नहीं कर सकती। आशंका जतायी जा रही है कि सेनाओं से जुड़े मुद्दों पर आम सहमति की कमी सशस्त्र बलों की युद्ध की तैयारियों को प्रभावित कर सकती है। कई भाजपा शासित राज्यों ने पुलिस जैसी वर्दीधारी सेवाओं में नौकरियों में अग्निवीरों के लिये आरक्षण या प्राथमिकता की घोषणा की है। लेकिन ये कदम विरोधियों को चुप कराने के लिये पर्याप्त नहीं हो सकता है। केंद्र सरकार को इस योजना को लेकर मिल रही प्रतिक्रिया को गंभीरता से लेना चाहिए। साथ ही योजना से जुड़ी विसंगतियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। निस्संदेह, इस मुद्दे पर अड़ियल रवैये की प्रतिक्रिया भविष्य में भी हो सकती है। जैसा कि केंद्र सरकार द्वारा लाये गए तीन कृषि कानूनों के लागू होने के बाद विरोध प्रदर्शन सालभर चले थे। सरकार को गहनता से इस मुद्दे पर मंथन करना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सैनिकों के मनोबल को लेकर कोई प्रयोग नहीं किये जा सकते। देश के सत्ताधीशों को राजनीतिक बड़बोलेपन से परहेज करना चाहिए।

राज्य पुनर्गठन की मांग, विकास या सियासत?

एजेंसी

इस पहल के खिलाफ पूरे देश, खासकर बंगाल सूबे में जबर्दस्त आंदोलन उठ खड़ा हुआ था जिसके कारण अंग्रेजों को वह प्रस्ताव वापस लेना पड़ा था। 'बंग भंग आंदोलन' के नाम से यह इतिहास के पन्नों में दर्ज है।

पश्चिम बंगाल को फिर से विभाजित करने की मांग उठ रही है। इसके पहले 1905 में औपनिवेशिक शासनकाल के दौरान तत्कालीन वायसरॉय लॉर्ड कर्जन ने अविभाजित बंगाल प्रांत को विभाजित करने का प्रस्ताव रखा था। इस पहल के खिलाफ पूरे देश, खासकर बंगाल सूबे में जबर्दस्त आंदोलन उठ खड़ा हुआ था जिसके कारण अंग्रेजों को वह प्रस्ताव वापस लेना पड़ा था। 'बंग भंग आंदोलन' के नाम से यह इतिहास के पन्नों में दर्ज है। इसके बाद आजादी जब मिली तो सिंध प्रांत पूरा अलग हो गया और पंजाब के विभाजन के साथ ही इसी बंगाल का एक हिस्सा भी अलग होकर 'पूर्वी पाकिस्तान' कहलाया। 1971 में भाषा के आधार पर हुए एक जनविद्रोह ने शेष पाकिस्तान से अलग होकर खुद को श्बांग्लादेशश के नाम से पृथक राष्ट्र बना लिया। वैसे उधर झारखंड के विभाजन की मांग भी उठाई जा रही है। इन दोनों ही मांगों के पीछे विकास की मंशा कम और सियासत अधिक बतलाई जा रही है, जो दुर्भाग्यजनक है। प. बंगाल के एक और विभाजन की मांग भारतीय जनता पार्टी की प. बंगाल इकाई के अध्यक्ष तथा केन्द्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने उठाई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर उत्तरी बंगाल के 8 राज्यों को मिलाकर केन्द्र शासित राज्य (यूटी) बनाने का प्रस्ताव दिया है। उनके अनुसार इससे इस क्षेत्र का सिक्किम की तरह विकास करने में मदद मिलेगी। वह नॉर्थ इंडिया काउंसिल का हिस्सा बन जायेगा और उसे केन्द्रीय अनुदान का आवंटन हो सकेगा। मजूमदार चाहते हैं कि कूचबिहार, दार्जिलिंग, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी, अलीराजपुर, मालदा और कलिम्पोंग को मिलाकर यूटी बनाई जाये। यह मांग चाहे पश्चिम बंगाल के विकास के नाम से की गयी हो लेकिन इसके पीछे भाजपा का सियासी मकसद ही नजर आता है। इसके कई कारण हैं। पहला तो यह कि 2021 में पूर्व केन्द्रीय मंत्री जॉन बारला और मजूमदार ने ही इस मांग को उठाया था परन्तु जब इस पर हो–हल्ला हुआ तो मजूमदार ने इस मांग से खुद को अलग कर लिया था। मजेदार बात तो यह है कि जहां एक ओर उत्तरी बंगाल के इन 8 जिलों को मिलाकर यूटी की मांग अब उठाई गयी है वहीं इसी इलाके के अलग–अलग हिस्सों को मिलाकर तीन राज्य बनाने की मांग उठती रही है। दार्जिलिंग में गोरखालैंड, कूचबिहार में ग्रेटर कूचबिहार और कामतापुरी की मांगें पुरानी हैं। सवाल यह उठ रहा है कि 10 वर्षों से केन्द्र में सत्ता होने के बाद भी भाजपा नेताओं ने यह काम क्यों नहीं कर लिया और यह मांग फिर से क्यों उठाई जा रही है? सुकांत अब राज्य मंत्री बन चुके हैं और सम्भवतरू वे मानते हैं कि अपने बढ़े हुए कद और वजन से वे यह काम करा सकते हैं। दूसरा सबसे बड़ा कारण है राज्य में तृणमूल कांग्रेस पार्टी की सरकार और विशेषकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का प्रभाव घटाना। इन जिलों में अनुसूचित जातियों व जनजातियों की बहुलता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इस क्षेत्र की 8 सीटों में से छह पर भाजपा को जीत मिली है। दूसरी तरफ उत्तर बंगाल की 54 विधानसभा सीटों में से सिर्फ 6 पर उसे जीत मिली थी। यहां टीएमसी का दबदबा है। अगर यह इलाका अलग राज्य के रूप में बनाकर राज्य के नक्शे से अलग हो जाता है तो ममता की ताकत काफी घट जायेगी। वैसे बता दें कि यह इलाका काफी संवेदनशील है क्योंकि इन जिलों की सीमाएं नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से लगती हैं। यहां के कई संगठन उत्तरी बंगाल को अलग करने की मांग करते रहे हैं जिनके पीछे राजनीतिक शह बतलाई जाती रही है। राज्यों के विभाजन या पुनर्गठन से किसी को कोई उज्र नहीं हो सकता लेकिन देखना यह होगा कि ऐसा करने का उद्देश्य क्या है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों बड़ी पराजय पाने के बाद से ही टीएमसी को नेस्तनाबूद करने पर भाजपा तुली हुई है। ममता विपक्षी गठबन्धन इंडिया का एक मजबूत पाया है और वह पीएम मोदी व केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बराबर चुनौतियां देती रहती हैं। संसद के दोनों ही सदनों में जिस प्रकार से टीएमसी सत्ता के लिये सिरदर्द बनी हुई है उसके चलते ममता की शक्ति कम करने की दृष्टि से यह मांग उठाये जाने का पूरा अंदेशा है। देखना होगा कि इसको लेकर प. बंगाल के लोगों और टीएमसी सहित अन्य राजनीतिक दलों की क्या प्रतिक्रिया होती है।दूसरी तरफ झारखंड से भी कुछ इसी तरह के संकेत मिल रहे हैं। वहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड मुक्ति मोर्चा की बढ़ती लोकप्रियता से परेशान भाजपा भी कुछ इसी प्रकार के हथकंडे अपनाने की जुगत में लगी है। झारखंड के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने तो झारखंड के संथाल परगना, बिहार के किशनगंज, कटिहार व अररिया और प. बंगाल के मालदा व मुर्शिदाबाद को मिलाकर केन्द्र शासित प्रदेश बनाने की मांग की है। इसके पीछे उनका तर्क यह है कि टीएमसी की उदार नीति के कारण बांग्लादेश के शरणार्थी भारत आ रहे हैं और इन इलाकों में फैल रहे हैं। उनका यह भी आरोप है कि संथाल परगना में आदिवासी आबादी अब घटकर 26 प्रतिशता रह गयी है जबकि पहले वे 36 प्रतिशत थे। उन्होंने आरोप लगाया है कि सुनियोजित तरीके से हिन्दू आबादी को कम किया जा रहा है।इन दोनों ही मामलों को देखकर साफ है कि विरोधी दलों के प्रभाव को घटाने के उद्देश्य से भाजपा राज्यों के विभाजन व पुनर्गठन का दांव चल रही है जिसे किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता।

राम चौत की मदद सरकार का काम था मगर राहुल ने की

शकील अख्तर

अच्छे इन्सान के तौर पर राहुल जो कर सकते थे वह उन्होंने किया। मगर व्यक्ति की अपनी सीमाएं होती हैं। राम चौत जैसे लाखों लोगों की मदद करना और उन्हें आगे बढ़ाना सरकारों का काम होता है। इन्दिरा गांधी ने इसलिए बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया था। कुटीर, लघु, मध्यम दर्जे का काम करने वालों को कम ब्याज पर आसानी से लोन देने के लिए। केन्द्र सरकार सहित सभी राज्यों ने इसके लिए कारपोरेशन बनाए थे। जहां ट्रेनिंग के साथ आसान शर्तों पर लोन भी मिलता था। उस पर सब्सिडी भी होती थी। मगर यह सब बंद हो गया। राष्ट्रीयकृत बैंक अब कुछ बड़े उद्योगपतियों को ही लोन दे रहे हैं और उनमें से कई देश छोड़कर भाग रहे हैं। पिछले दस साल में 18 लाख लोग देश छोड़कर जा चुके हैं। केवल पिछले पांच साल में छह लाख से ज्यादा लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी है। यह कितना पैसा लेकर भागे हैं सरकार इसका कोई अधिकृत आंकड़ा नहीं दे रही है। मगर बैंकों द्वारा बट्टे खाते में डाले जा रहे पैसों के हिसाब से कुछ वित्त एजेंसियों ने जो आंकड़े जुटाए हैं वे बेहद चिन्ताजनक हैं। उनके मुताबिक चालीस–पचास बड़े उद्योगपति विजय माल्या, नीरव मोदी जैसे लोग चालीस हजार करोड़ रुपये लेकर भागे हैं। देश में पिछले दस सालों में पैसों वालों को ही और आगे बढ़ाने का काम हो रहा है। इन्हीं में से कुछ पैसे लेकर भाग गए कुछ फिलहाल यहीं और पैसा बना रहे हैं। आंकड़े बहुत गंभीर हैं। एक तरफ 1319 लोग एक हजार करोड़ रुपये से अधिक संपत्ति के मालिक बन गए हैं। दूसरी तरफ देश के 80 करोड़ से ज्यादा लोग पांच किलो मुफ्त अनाज पर गुजर कर रहे हैं। इन लोगों को काम धंधा देने की कोई योजना नहीं है। केवल जिन्दगी काटने पर मजबूर कर दिए गए हैं। बच्चों की पढ़ाई–लिखाई आगे बढ़ना कोई मतलब नहीं है केवल जीते रहना ही उद्देश्य हो गया है। अमीर कैसे और अमीर होता जा रहा है यह इससे समझें कि पिछले एक साल में ही इनकी दौलत 41 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ी है। और गरीबों की हालत क्या है, यह इससे समझें कि गरीबी में भारत 142 वें स्थान पर है। मतलब 141 देश में जिनमें बहुत छोटे–छोटे देश अंगोला, आइवरी कोस्ट जैसे शामिल हैं, भारत से बेहतर स्थिति में हैं। बेरोजगारी की स्थिति भयावह है। 83 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं। देश की चालीस प्रतिशत संपत्ति अब केवल एक प्रतिशत लोगों के पास पहुंच गई है और यह न रोजगार बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं और न देश में ऐसे उद्योग लगाने की। जिससे देश की चीन पर निर्भरता कम हो बल्कि चीन से व्यापार करके वहां से छोटी–छोटी चीजें मंगाकर यहां बेचकर पैसा बढ़ाने में लगे हुए हैं। लाखों सरकारी पद खाली हैं। कहीं भर्ती नहीं हो रही। हर जगह ठेके पर काम चलाया जा रहा है साथ ही पहले जो राम चौत जैसे लोगों के कौशल विकास, अपना धंधा बढ़ाने की योजनाएं चलती थीं वे भी सब बंद हो गई हैं। इसलिए कभी राहुल को अग्निवीर जैसी चार साल की नौकरी बंद करके परमानेंट नौकरी की मांग करनी पड़ती है तो कभी राम चौत जैसे मेहनतकशों को अपने व्यक्तिगत साधनों से जूता सिलाई की मशीन दिलानी पड़ती है। आश्चर्य और दुख की बात यह है कि यूपी में चार बार मायावती मुख्यमंत्री रहीं मगर कमजोर वर्ग को आर्थिक रूप से अपने पांवों पर खड़ा करने की कोई स्थायी कोशिश नहीं की। अभी लोकसभा चुनाव में एक भी सीट न मिलने के बाद कहा कि मेरे समाज के लोग मेरे साथ रहें। मगर उनके लिए किया क्या यह कभी नहीं बताया। खाली दलित की बेटी कहने से दलितों की कोई मदद नहीं हो जाती है। दलित के पास कोई कृषि भूमि नहीं है। वह भूमिहीन श्रमिक है। उसे स्किल डेवलपमेंट, आर्थिक सहायता, पक्की दुकान जैसे मूलभूत ढांचे की जरूरत है। हमें कई बार बहुत आश्चर्य होता है कि दलित पिछड़े की बात करने वाले उस समाज के ही लोगों ने पिछले करीब चालीस साल से कई राज्यों में सरकार चलाई और इस दौरान सरकार, डेवलपमेंट अथारटी स्थानीय निकाय विभिन्न एजेंसियों ने बहुत सारे मार्केटों, कमर्शियल सेंटर का निर्माण किया। सैकड़ों हजारों दुकानें बनाईं मगर कहीं मोची के लिए, कपड़े प्रेस करने वाले के लिए, फूल बेचने वाले माली के लिए, सब्जी, फल बेचने वाले के लिए, छोटी चाय की दुकान चलाने वाले और खाने–पीने का छोटा स्टाल रखने वाले के लिए अलग से दुकानें निर्धारित नहीं कीं। उन्हें रियायती दरों, आसान किस्तों पर कार्नर पर दुकानें कहीं नहीं दीं। अफसर तो यह काम करने नहीं देंगे। यह तो मुख्यमंत्रियों के विजन की इच्छाशक्ति का और सबसे बड़ी सोच का मामला था। अगर हर शहर में हर नए बने इलाकों में यह हो जाता तो देश के पिछड़े, दलितों की

आर्थिक और सामाजिक स्थिति बदल जाती। पता नहीं मायावती, पासवान और अन्य दलित नेता यह देखकर क्या सोचते थे जब बरसते पानी में, तेज धूप में, कड़कड़ाती सर्दी में एक छाते के नीचे वह मोची को बैठा हुआ देखते थे। सड़क पर उनके ठिकाने देखकर पता नहीं इनमें से कितने नेता, मुख्यमंत्री, मंत्री रुके। मगर राहुल गांधी रुक गए। उन्होंने मोची राम चौत की समस्या, उसका काम समझने की कोशिश की और उसने जो मदद मांगी थी वह अगले दिन ही पूरी कर दी। जैसा कि हमने ऊपर शुरू में लिखा यह चीजें व्यक्तिगत मदद करने से ठीक नहीं होंगी। आज तक नहीं हुईं। यह सोच का मामला है। नीति बनाने उसे लागू करने का। गरीबी से ऐसे नहीं लड़ा जा सकता। भारत दुनिया के करीब 190 देशों में 142 वें स्थान पर है। गरीबी में। प्रति व्यक्ति की आय नहीं बढ़ रही है। उधर करीब एक हजार अरबपतियों की आय लगातार बढ़ती जा रही है। सरकारी नौकरी नहीं, छोटे उद्योग धंधे नहीं। खेती में आय दुगनी करने के बदले और लागत बढ़ा दी है। घाटे का सौदा तो पहले ही थी अब अपमान की भी हो गई। आतंकवादी से लेकर मवाली सब कह दिया गया। देश में लोग रोजी रोटी के लिए दो ही साधनों पर निर्भर हैं। एक सरकारी नौकरी, दूसरे कृषि। दोनों की हालत खराब कर दी। और इन दोनों से ही गांव, कस्बों, शहरों में व्यापार–व्यवसाय चलता था। बाजार में खरीदारी दो ही वर्ग करते हैं। एक किसान और एक वेतन पाने वाला। जब इन दोनों के पास ही पैसा नहीं होगा तो बाजार काहे से चलेगा? राहुल ने फिर एक नई राह दिखाई है। आम मेहनतकश की आमदनी बढ़ाने की। राहुल हमेशा से कहते रहे हैं कि आम आदमी की जेब में पैसा डालो तो अर्थव्यवस्था चल जाएगी। उसके हुनर को निखारो। पहले आईटीआई, पोलोटेक्निक और दूसरे कई ऐसे संस्थान थे जो ट्रेनिंग देकर युवाओं को नौकरी के लिए तैयार करते थे। मगर अब बातें तो बहुत हैं। वहां क्या काम हो रहा है और वहां से निकलने के बाद कितने युवाओं को काम मिल रहा है यह किसी को पता नहीं। हेडलाइन बनाने के लिए बड़े चमकीले अंदाज में प्रधानमंत्री ने कह दिया कि देश को आईआईटी की जरूरत नहीं आईटीआई की है। क्या हुआ? अब आईआईटीयन भी बेरोजगार हैं। पहली बार उनका प्लेसमेंट नहीं हुआ। आईटीआई वाले तो पहले ही थे। दोनों को बेरोजगार कर दिया!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

केन्द्रीय बजट की शोभा बनीं रोजगार योजनाएं महज एक छलावा

पी. सुधीर

भारतीय अर्थव्यवस्था एक महत्वपूर्ण चौराहे पर है, जहां सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि किसी भी तरह से रोजगार सृजन क्षमता को बढ़ावा नहीं दे रही है। यहां तक कि सृजित नौकरियों में से 57.3प्रतिशत स्वरोजगार वाले हैं, 18.3 प्रतिशत अवैतनिक घरेलू कामगार हैं और 45प्रतिशत से अधिक कृषि में कार्यरत हैं। मार्च 2020 में शुरू की गई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार पैदा करने में पूरी तरह विफल रही और आश्चर्यजनक रूप से भारत की साल–दर–साल विनिर्माण उत्पादकता 2022–23 में 2.38 प्रतिशत गिर गई। दूसरी ओर मोदी सरकार की ओर से प्रोत्साहन और कई अन्य लाभकारी लाभों के कारण, भारत की सूचीबद्ध कंपनियों ने 2023–24 में 10.1 प्रतिशत की दर से भारी शुद्ध लाभ कमाया, जो 2007–08 के बाद से सबसे अधिक है। यह सरकारी खजाने से धन की हेराफेरी कर निजी क्षेत्र को देने का प्रमाण है, जो रोजगार सृजन के नाम पर किया गया था, परन्तु वास्तविक बेरोजगारी बढ़ी और रोजगार की गुणवत्ता घटी। मोदी सरकार तो घर के काम में सहयोग करने वालों को,तथा जिन्हें सप्ताह मेंए क घंटे का काम मिला उन्हें भी रोजगार प्राप्त लोगों में गिन कर बेरोजगारी की दर कागजों में घटा ली है, जो अनेक धोखाधड़ियों में महज चुनिंदे उदाहरण हैं। अब आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ते कार्यबल की जरूरतों को पूरा करने के लिए गैर–कृषि क्षेत्र में सालाना औसतन लगभग 78.5 लाख नौकरियां पैदा करने की सख्त जरूरत है। इस गंभीर रोजगार संकट और लोकसभा चुनाव अभियान में इस मुद्दे के ज्वलंत विषय बनकर उभरने के मद्देनजर, अनेक लोगों ने सोचा होगा कि तीसरी मोदी सरकार का पहला केंद्रीय बजट रोजगार सृजन और नये रोजगार के अवसर पैदा करने पर विशेष ध्यान देगा। हालांकि, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया 2024–25 का केन्द्रीय बजट औपचारिक क्षेत्र में रोजगार पैदा करने के खोखले और भ्रामक उपायों के लिए उल्लेखनीय है, जबकि सार्वजनिक धन को कॉरपोरेट्स को उदारतापूर्वक बांटा गया है। वित्त मंत्री ने रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजनाओं की एक श्रृंखला की घोषणा की है, जिसने कॉरपोरेट पंडितों के बीच काफी चर्चा पैदा की है। योजना–ए, सभी नियोक्ताओं पर लागू है, जबकि योजना– बी और योजना– सी विशिष्ट श्रेणियों के लिए हैं। योजना– ए के अनुसार, यदि कोई नियोक्ता किसी नये कर्मचारी की भर्ती करता है या किसी गैर–सूचीबद्ध कर्मचारी को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में सूचीबद्ध करता है, तो सरकार कर्मचारी के एक महीने के वेतन का भुगतान तीन किस्तों में 15,000 रुपये तक करेगी। इसका मतलब है कि सरकार नियोक्ता को उसके देय वार्षिक वेतन हिस्से का बारहवां हिस्सा सीधे सब्सिडी देने जा रही है। विनिर्माण क्षेत्र के नियोक्ता, जो कम से कम 50 नये गैर–ईपीएफओ कर्मचारियों को काम पर रखते हैं, योजना– बी के लिए पात्र होंगे। इस योजना में, सरकार ईपीएफओ में कर्मचारियों और नियोक्ताओं के हिस्सों का भुगतान करेगी, जिसका भुगतान वेतन घटक के 24प्रतिशत के रूप में सीधे जनता के पैसे से की जायेगी। योजना – सी के अनुसार, कोई भी कंपनी जो 2 से 5 नये कर्मचारियों की भर्ती करती है, उसे प्रति माह 3,000 रुपये तक का ईपीएफओ नियोक्ता अंशदान प्राप्त होगा। स्पष्ट रूप से, सरकार सरकारी खजाने से वेतन घटक का 32.33 प्रतिशत तक सब्सिडी देगी। सबसे नुकसानदेह तथ्य यह है कि इस योजना का लाभ उठाने के लिए कंपनियों को हर साल नये कर्मचारियों की भर्ती करनी होगी। इसका मतलब यह है कि पहले साल में भर्ती किये गये कर्मचारी एक साल पूरा होने के बाद निश्चित अवधि के लिए काम पर रखे जायेंगे और बाहर निकाल दिये जायेंगे और ये योजनाएं सरकारी सब्सिडी का लाभ उठाने के लिए छंटनी को बढ़ावा देंगी। एक और झटका इंटर्नशिप नीति है, जहां सरकार ने शीर्ष 500 सबसे अधिक मुनाफाखोर कंपनियों को अपने पूरे उत्पादन और सेवाओं को इंटर्न/प्रशिक्षुओं के साथ चलाने की अनुमति दे दी है। सरकार 5,000 रुपये के मासिक वजीफे और 6,000 रुपये की एकमुश्त सहायता का बोझ उठायेगी और बाकी प्रशिक्षण लागत कंपनी के सीएसआर फंड से ली जा सकती है। कॉर्पोरेट समर्थक सरकार इस कुख्यात योजना से रोजगार संबंधों को एक नाजुक दिशा की ओर ले जायेगी, जहां स्वचालन और प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक ज्ञान और तेजी से सीखने के कौशल के साथ नये इंटर्न बैचों पर उत्पादन प्रक्रिया की पूरी मुख्य जिम्मेदारी का बोझ डाला जायेगा। उत्पादन की प्रक्रिया से पुराने बैचों की जगह लेने के लिए हर साल बेरोजगार या व्यावसायिक रूप से शिक्षित युवाओं की विशाल रिजर्व सेना कारखानों के गेट पर इंतजार करेगी। सरकारी खजाने से निजी खजाने में पैसे की इस तरह की हेराफेरी से बेरोजगारी की समस्या का रत्ती भर भी समाधान नहीं होगा। उत्पादन से जुड़े मुनाफे को बढ़ाने का तरीका इसमें अवैतनिक श्रम घटक को बढ़ाना है और इम्पलॉयमेंट लिंक्ड इंटेंसिव (ईएलआई) और इंटर्नशिप योजनाएं मोदी सरकार द्वारा कॉरपोरेट्स के लिए मुफ्त श्रम को सौंपने का एक जानबूझ कर किया गया प्रयास है। लोगों की घटती क्रय शक्ति के कारण कुल मांग में लगातार गिरावट से उत्पादन से जुड़े मुनाफे की शुद्ध बिक्री और प्राप्ति में कमी आ रही है और इस तरह उत्पादन के प्रति निजी निवेश की भावना प्रभावित हो रही है।

रणबीर कपूर ने सुनाया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात का किस्सा, शेयर की खास बातें

> रणबीर ने पीएम मोदी से मुलाकात का किस्सा सुनाया है. रणबीर कपूर ने कहा, "मैं पॉलिटिक्स पर कुछ ज्यादा तो नहीं सोचता. लेकिन हमलोग, एक्टर्स-डायरेक्टर्स, चार-पांच साल पहले उनसे मिलने गए थे. उनका व्यक्तित्व काफी आकर्षक है. वो एक शानदार वक्ता हैं.

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर हाल ही में बिजनेसमैन निखिल कामथ के पॉडकास्ट में आए. इस दौरान उन्होंने पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफशनल लाइफ तक कई बड़े खुलासे किए. जब उनसे ये सवाल हुआ कि वो राजनीति पर क्या सोचते हैं तो उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र किया. रणबीर ने पीएम मोदी से मुलाकात का किस्सा सुनाया है. रणबीर कपूर ने कहा, "मैं पॉलिटिक्स पर कुछ ज्यादा तो नहीं सोचता. लेकिन हमलोग, एक्टर्स–डायरेक्टर्स, चार–पांच साल पहले उनसे मिलने गए थे. उनका व्यक्तित्व काफी आकर्षक है. वो एक शानदार वक्ता हैं. वो आए, बैठे और हर एक से कुछ न कुछ पर्सनल बातचीत की." रणबीर का कहना है कि उस समय उनके पिता ऋषि कपूर बीमार थे और उनका इलाज चल रहा था तो पीएम मोदी ने उनसे उनके पिता का हालचाल लिया और पूछा कि उनका इलाज कैसा चल रहा है. रणबीर ने कहा कि पीएम मोदी ने विक्की कौशल से कुछ अलग बात की, आलिया भट्ट से कुछ और पूछा, करण जौहर से कुछ और बातें की, उन्होंने हर एक से उससे जुड़ा पर्सनल कुछ न कुछ पूछा. रणबीर ने आगे कहा कि वो जिस तरह के प्रयास करते हैं, वैसा एक महान व्यक्ति में ही दिखता है और ये चीजें उनके व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ कहती हैं.निखिल कामथ ने भी पीएम मोदी से जुड़ा एक किस्सा सुनाया है. उन्होंने कहा, "मैं उनका सम्मान करता हूं, उनकी प्रशंसा करता हूं. एक बार जब हमलोग अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में थे तो वो (पीएम मोदी) एक रूम में हमारे साथ और कुछ अमेरिकी व्यापारियों के साथ सुबह 8 बजे एक स्पीकिंग सेशन करते थे. उसके बाद 11 बजे वो कहीं और स्पीच देने जाते थे, फिर दोपहर में 1 बजे उपराष्ट्रपति के साथ बैठते थे. शाम 4 बजे वो कुछ और करते थे और फिर रात को 8 बजे कुछ और. 8 बजे तक मैं थक जाता. दो दिनों के बाद मैं बीमार सा महसूस करने लगा था, लेकिन पीएम मोदी फिर से वही काम करने के लिए मिस्र चले गए." निखिल ने कहा कि इस उम्र में पीएम मोदी इतने एनर्जेटिक हैं और ऐसी बहुत सारी चीजें हैं, जो उनसे सीखनी है.रणबीर ने साल 2022 में आलिया से शादी की थी. अपनी शादीशुदा जिंदगी पर बात करते हुए रणबीर ने कहा, "अगर आपकी शादी हो जाती है तो आपको अपने व्यक्तित्व को बदलना होता है. उसने (आलिया) भी खुद को बदला है. हम दोनों एक दूसरे के साथ तालमेल बना रहे हैं. हर शादी में यो करना होता है. आपको ये चीजें करनी होंगी. आपको तालमेल सेट करना होगा. आपको कुर्बानियां देनी होती हैं. दो लोग पहले से जैसे हैं, उन्हें वैसे ही पसंद करना थोड़ा मुश्किल है. "रणबीर ने अपनी फिल्म पर भी बात की. उन्होंने बताया कहा कि वो अपनी एक अपकमिंग फिल्म के लिए कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं. वो एक कोरियन ट्रेनर से डेली 3 से 4 घंटे की ट्रेनिंग ले रहे हैं. उन्होंने बताया कि वो ऐसा पिछले 7 महीने से कर रहे हैं, क्योंकि वो एक रोल कर रहे हैं, जिसकी लिए ये जरूरी है. हालांकि, वो किस फिल्म की तैयारी में जुटे हुए हैं उन्होंने इस बारे में नहीं बताया. जब उनसे फिल्म का नाम पूछा गया तो उन्होंने बस इतना ही कहा कि अभी वो फिल्म अनाउंस नहीं हुई है।

रश्मिका मंदाना, सोनम कपूर ने धनुष को दीं जन्मदिन की

एक्टर धनुष ने रविवार को अपना 41वां जन्मदिन मनाया। इस मौके एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना और सोनम कपूर ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। रश्मिका ने रविवार को इंस्टाग्राम पर धनुष के साथ अपनी फिल्म कुबेर का एक पोस्टर शेयर किया। एक्ट्रेस ने लिखा, धनुष सर, आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। हमारे पास साथ में कोई तस्वीर नहीं है, और हमारी फिल्म की शूटिंग ज्यादातर ऐसे क्षेत्रों में होती है जो बहुत फोटोजेनिक नहीं हैं। लेकिन मुझे यह पोस्टर बहुत पसंद आया... इसलिए, इसके साथ, मैं आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित कुबेर रश्मिका के साथ धनुष की पहली फिल्म है। फिल्म में टॉलीवुड अभिनेता नागार्जुन भी हैं। इसका संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया है। रांझणा में धनुष के साथ काम कर चुकी सोनम ने उनके साथ एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो धनुष। आनंद एल. राय द्वारा निर्देशित रांझणा 2013 में रिलीज हुई थी। इसमें अभय देओल, मोहम्मद जीशान अय्यूब और स्वरा भास्कर भी थे।इस फिल्म में एक हिंदू लड़के कुंदन (धनुष) और मुस्लिम लड़की की प्रेम कहानी को दिखाया गया है। इस फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके गाने भी जबरदस्त थे। धनुष ने अब तक 50 से अधिक फिल्मों में काम किया है। वह छह बार फोर्ब्स इंडिया सेलिब्रिटी 100 की सूची में शामिल हो चुके हैं। अभिनेता ने 2002 में थुल्लुवधो इलमई से अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने पोलाधवन, याराडी नी मोहिनी, आडूकलम, मैरियन, कोडी, असुरन, वाथी, मारी, मारी 2 और वेलैइला पट्टाधारी 2 जैसी कई उल्लेखनीय फिल्मों में अभिनय किया है।

इन बॉलीवुड सेलेब्स ने पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए पहला पदक जीतने पर मनु भाकर को दी बधाई

पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत को गौरवान्वित करने वाली मनु भाकर की जीत परसेलिब्रिटीज की खुशी का भी ठिकाना नहीं रहा। प्रीति जिंटा से जैकी श्रॉफ तक ने उन्हें बधाई दी है। प्रीति जिंटा ने मनु भाकर की फोटो शेयर करते हुए लिखा, पेरिस ओलंपिक 2024 में निशानेबाजी में भारत के लिए पहला पदक जीतने पर मनु भाकर को बधाई। कृति खरबंदा ने भी मनु भाकर के कांस्य पदक जीतने की खबर शेयर करते हुए अपनी खुशी व्यक्त की। राजकुमार राव ने इंस्टा स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, "बधाई हो मनु भाकर हम सभी को आप पर गर्व है।" जैकी श्रॉफ ने सफलता पर टिप्पणी करते हुए लिखा, खाता खुल गया...मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। पेरिस ओलंपिक में भारत का पहला पदक। भारत ने आखिरी बार 2012 में लंदन ओलंपिक में निशानेबाजी में पदक जीता था। रैपिड–फायर पिस्टल शूटर विजय कुमार ने रजत और गगन नारंग ने कांस्य पदक जीता था। 2021 के टोक्यो ओलंपिक में मनु भाकर को पिस्टल में खराबी के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था, लेकिन उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से पेरिस में उन्हें कांस्य पदक मिला।मनु भाकर ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला निशानेबाज हैं। मनु ने स्कूल के दिनों में टेनिस, स्केटिंग और मुक्केबाजी जैसी खेलों में हाथ आजमाया। इसके अलावा वह मार्शल आर्ट की एक फॉर्म में भी काफी अच्छी थीं। 2016 के रियो ओलंपिक के बाद, मात्र 14 साल की उम्र में उन्होंने निशानेबाजी की दुनिया में कदम रखा और इस खेल में उन्हें बेहद रुचि आई। मनु को उनके पिता ने शूटिंग को खेल के रूप में अपनाने का सुझाव दिया। अपनी बेटी के प्रति हमेशा से सहयोगी रहे मनु के पिता राम किशन भाकर के इस फैसले ने मनु को ओलंपिक तक पहुंचाया और रविवार को उन्होंने ऐतिहासिक मेडल हासिल किया। साल 2017 की नेशनल निशानेबाजी चैंपियनशिप में मनु ने ओलंपियन और पूर्व विश्व नंबर एक हिना सिद्धू को चौंकाते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में 242.3 के रिकॉर्ड स्कोर से जीत दर्ज की। इसके बाद, उन्होंने 2017 की एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।इसके बाद मनु ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी धाक जमा दी। मैक्सिको में आईएसएसएफ विश्व कप में पदार्पण करते हुए, उन्होंने क्वालीफिकेशन राउंड में जूनियर विश्व रिकॉर्ड तोड़ा और महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में जगह बनाई और गोल्ड मेडल जीतने में भी कामयाबी हासिल की। मात्र 16 साल की उम्र में वह आईएसएसएफ विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बन गईं।

सोनू निगम के जन्मदिन पर भव्य आयोजन, जावेद अख्तर से अनूप जलोटा तक जुटीं ये हस्तियां

मशहूर गायक सोनू निगम का आज 30 जुलाई को जन्मदिन है। अपने विशेष दिन पर उन्होंने पार्टी रखी। इसमें फिल्म इंडस्ट्री की तमाम नामी हस्तियां शामिल हुई हैं। गीतकार और स्क्रिप्ट राइटर जावेद अख्तर से लेकर शंकर महादेवन, अनु मलिक और शान तक कई गायक व संगीतकार नजर आए। सोनू निगम ने सभी का तहेदिल से पार्टी में स्वागत किया। शंकर महादेवन आज ही विदेश से लौटे हैं और फ्लाइट से सीधे जन्मदिन के जश्न में शामिल होने पहुंचे। सोनू निगम के यहां जन्मदिन की पार्टी में अनु मलिक

भी नजर आए। सोनू निगम ने उनका जोरदार स्वागत किया और गले लगते हुए फोटो खिंचवाई। बता दें कि सोनू निगम और अनु मलिक के बीच काफी आत्मीय रिश्ता है। दोनों सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल में एक साथ बतौर जज भी नजर आ चुके हैं। उनके अलावा मशहूर भजन व गजल गायक अनूप जलोटा भी पार्टी में नजर आए। संगीतकार और प्लेबैक सिंगर सलीम मर्चेंट भी पार्टी में पहुंचे। साथ ही सिंगर शान भी नजर आए। दोनों के साथ सोनू निगम गले मिलते दिखे। सिंगर के जन्मदिन पर शंकर महादेव ने बताया कि वे आज ही विदेश से लौटे और फ्लाइट से सीधे जन्मदिन में पहुंचे हैं। उन्होंने जावेद अख्तर से बातचीत के दौरान यह जानकारी दी। सोनू निगम के जन्मदिन से एक दिन पहले यानी 29 जुलाई को अनूप जलोटा ने जन्मदिन मनाया। सोनू निगम के जन्मदिन की पार्टी में भी उनका केक कटिंग कार्यक्रम रखा गया। एक केक सोनू निगम ने काटा और दूसरा अनूप जलोटा ने। इस दौरान जावेद अख्तर ने मजाकिया अंदाज में कहा, इन्होंने एक–दूसरे का केक काटा है, नहीं तो लोग तो एक–दूसरे का रास्ता काटते हैं। जन्मदिन की पार्टी में सोनू निगम गीतकार जावेद अख्तर के पैर छूते भी नजर आए। पार्टी के दौरान मेहमानों को सोनू निगम की डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। इस दौरान शान ने कहा, इस तरह की डॉक्यूमेंट्री कभी बनी नहीं है। अक्सर यही समझा जाता है कि सिंगर स्टेज पर गाते हैं। यह डॉक्यूमेंट्री एक मिसाल है सिंगर्स की मेहनत और संघर्ष का। उन्हें शुभकामनाएं।

सोनाक्षी सिन्हा ने शादी के बाद रैंप पर बिखेरा जलवा, थाई-हाई स्लिट गाउन में दिखीं बेहद खूबसूरत

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर खूब चर्चा में बनी हुई हैं। वहीं जहीर इकबाल के साथ शादी के बाद एक्ट्रेस का पहला रैंप वॉक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। सोशल मीडिया पर उनका ये लुक छाया हुआ है, जिसकी वजह से वह फैंस के बीच चर्चा में बनी हुई हैं। अपनी अदाओं से "वदीप" पदीं ने रैंप पर आग लगा दी। वह बिंदास अंदाज में रैंप वॉक करती दिखीं। वहीं दूसरी ओर इस बिजी शेड्यूल के बीच भी सोनाक्षी अपनी हैप्पी मैरिड लाइफ एंजॉय कर रही हैं। अभिनेत्री "वदीप" पदीं इन दिनों अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर खूब चर्चा में बनी हुई हैं जहीर इकबाल से शादी करने के बाद सोनाक्षी सिन्हा पहली बार रैंप वॉक पर उतरतीं नजर आईं। सोशल मीडिया पर उनकी ये रैंप वॉक की वीडियो और फोटोज तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसमें उनका दिलकश अंदाज देखने को मिल रहा है। सोनाक्षी सिन्हा ने रैंप वॉक के लिए हाई स्लिट और एम्बेलिशमेंट पींक गाउन पहना हुआ था। इस पींक गाउन में एक्ट्रेस बार्बी लग रही हैं। उनके शानदार आउटफिट को उन्होंने हील्स के साथ पेयर किया गया। सोनाक्षी ने इवेंट में मौजूद लोगों का ध्यान तब अपनी ओर खींचा जब उन्होंने द कार्डिगन्स के गाने 'लवफूल' पर डांस किया। इस इवेंट के बाद सोनाक्षी ने अपनी शादी के बारे में भी बात की। समाचार एजेंसी एएनआई को उन्होंने कहा, 'मुझे सच में लगता है कि सिंपल दुल्हन वाला ट्रेंड वापस आने वाला है। ईमानदारी से कहूं तो मैं अपनी मैरिड लाइफ बहुत एन्जॉय कर रही हूं और मुझे शादी के बाद भी काम करने की पूरी की आजादी मिली है। मैं कुछ भी करती हूं तो मुझे परिवार का सपोर्ट भी मिलता है और मैं खुश हूं। इसलिए मुझे लगता है कि हम कई बार सही फैसले लेते हैं। सोनाक्षी को आखिरी बार हॉरर–कॉमेडी फिल्म 'काकुड़ा' में देखा गया था, जिसे आदित्य सरपोतदार ने निर्देशित किया है। यह 12 जुलाई को जी5 पर रिलीज हुई। फिल्म में रितेश देशमुख और साकिब सलीम भी लीड रोल में नजर आए हैं।

एथलीट जैसे फिट और मजबूत रहने के लिए ये चीजें है जरूरी, जानिए डाइट और वर्कआउट प्लान

इन दिनों पेरिस 2024 ओलंपिक चर्चा में चल रहा है। देशवासियों को भारतीय खिलाड़ियों से बेहद उम्मीदें हैं। इसी बीच कई बार मन में सवाल उठते हैं कि आखिर एथलीट्स अपनी सेहत का किस तरह ख्याल रहते हैं और खाना–पीना कैसा होता है जिससे वह हमेशा फिट रहते हैं। इन सभी सवालों के जवाब आज हम आपको देने जा रहे हैं।

सख्त नियमों का करते हैं पालन

एथलीट्स अपनी सेहत का ख्याल बहुत ही सजीव और अनुशासित तरीके से रखते हैं। उनके डाइट, एक्सरसाइज और रूटीन बहुत ही सख्त होते हैं ताकि वे अपनी शारीरिक क्षमता को अधिकतम बना सकें और उच्च प्रदर्शन कर सकें। वे संतुलित आहार का पालन करते हैं, नियमित व्यायाम करते हैं, और अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखते हैं। उनकी दिनचर्या में अनुशासन और मेहनत की आवश्यकता होती है ताकि वे अपने उच्चतम प्रदर्शन को प्राप्त कर सकें।

संतुलित आहार

एथलीट्स को ऊर्जा की आवश्यकता होती है, इसलिए उनकी डाइट में कार्बोहाइड्रेट्स का प्रमुख स्थान होता है। यह ब्रेड, पास्ता, चावल, और फल जैसे खाद्य पदार्थों से प्राप्त होते हैं। मांसपेशियों की मरम्मत और निर्माण के लिए प्रोटीन आवश्यक होता है। एथलीट्स मीट, मछली, अंडे, और डेयरी उत्पादों के साथ–साथ नट्स और बीन्स का सेवन करते हैं। स्वस्थ फैट्स का सेवन जैसे कि एवोकाडो, नट्स, और ऑलिव ऑयल भी जरूरी होता है।

हाइड्रेशन

पर्याप्त पानी पीना और हाइड्रेटेड रहना एथलीट्स के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है, खासकर वर्कआउट के दौरान। फलों और सब्जियों से विटामिन्स और मिनरल्स का सेवन भी बहुत जरूरी होता है। एथलीट्स अपनी डाइट में विभिन्न प्रकार के फल और सब्जियों को शामिल करते हैं।

परहेज

एथलीट्स जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड से दूर रहते हैं क्योंकि ये उच्च मात्रा में चीनी, नमक और अनहेल्दी फैट्स से भरपूर होते हैं। शराब और अत्यधिक कैफीन का सेवन सीमित किया जाता है क्योंकि ये शरीर को डीहाइड्रेट कर सकते हैं और नींद को प्रभावित कर सकते हैं।

वर्कआउट रूटीन

एथलीट्स का दैनिक वर्कआउट रूटीन बहुत ही सख्त होता है जिसमें कार्डियो, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, और फ्लेक्सिबिलिटी एक्सरसाइज शामिल होती हैं। पर्याप्त नींद और विश्राम बहुत जरूरी होता है ताकि मांसपेशियों को पुनःनिर्माण का समय मिल सके और चोटों से बचा जा सके।

मानसिक स्वास्थ्य

मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए मेडिटेशन, योग, और मानसिक ध्यान के तकनीकों का प्रयोग करते हैं। इससे तनाव को कम करने में मदद मिलती है और ध्यान केंद्रित रहता है। एथलीट्स अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बेहद प्रेरित और अनुशासित रहते हैं। वे नियमित रूप से अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन करते हैं और अपने कोच से मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं।

मानसून के दौरान ऑयली स्किन से कैसे निपटें?

मानसून का मौसम चिलचिलाती गर्मी से राहत तो देता है लेकिन ऑयली स्कीन वाले लोगों के लिए अनोखी चुनौतियां भी पेश करता है। इस मौसम के दौरान बढ़ी हुई आर्द्रता तेल उत्पादन को बढ़ा सकती है, जिससे दाने निकल सकते हैं और चिकनापन आ सकता है। मानसी शर्मा, संस्थापक, द ऑनेस्ट ट्री बाय बोडेस ब्यूटी ने मानसून में तैलीय त्वचा से निपटने के लिए सुझाव साझा किए हैं।

तैलीय त्वचा को समझना

तैलीय त्वचा की विशेषता अतिरिक्त सीबम उत्पादन है। सीबम, वसामय ग्रंथियों द्वारा निर्मित एक प्राकृतिक तेल है, जो त्वचा को नमीयुक्त रखने में मदद करता है। हालांकि, जब अधिक मात्रा में इसका उत्पादन होता है, तो इससे रोम छिद्र बंद हो सकते हैं, मुंहासे हो सकते हैं और त्वचा चमकदार हो सकती है। मानसून का मौसम, अपने उच्च आर्द्रता स्तर के साथ, इन समस्याओं को और खराब कर सकता है, जिससे आपकी त्वचा की देखभाल की दिनचर्या को तदनुसार अनुकूलित करना महत्वपूर्ण हो जाता है।

मानसून में तैलीय त्वचा से निपटने के टिप्स

चेहरे की सफाई

गंदगी, तेल और अशुद्धियां हटाने के लिए दिन में दो बार अपना चेहरा साफ करें। ज्यादा धोने से त्वचा का प्राकृतिक तेल खत्म हो सकता है, जिससे त्वचा में और भी अधिक सीबम उत्पन्न होने लगता है।

प्रोडक्ट का चयन– तेल उत्पादन को नियंत्रित करने और मुँहासे को रोकने में मदद के लिए सैलिसिलिक एसिड या चाय के पेड़ के तेल के साथ एक सौम्य, सल्फेट–मुक्त क्लींजर का उपयोग करें।

एक्सफोलिएशन जरुरी

मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने और बंद रोमछिद्रों को रोकने के लिए सप्ताह में 1–2 बार एक्सफोलिएट करें।

प्रोडक्ट का चयन– जलन पैदा किए बिना त्वचा को साफ रखने के लिए अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड (एएचए) या बीटा हाइड्रॉक्सी एसिड (बीएचए) वाला हल्का एक्सफोलिएटर चुनें।

टोनर का प्रयोग करें

टोनिंग त्वचा के पीएच को संतुलित करने और बची हुई अशुद्धियों को दूर करने में मदद करती है।

प्रोडक्ट का चयन– त्वचा को आराम देने और तैलीयपन को कम करने के लिए विच हेजल, ग्रीन टी या कैमोमाइल जैसी सामग्री वाले अल्कोहल–मुक्त टोनर का उपयोग करें।

मॉइस्चराइजिंग करना जरुरी

तैलीय त्वचा वाले बहुत से लोग इस डर से मॉइस्चराइजिंग करना छोड़ देते हैं कि इससे उनकी त्वचा तैलीय हो जाएगी। हालांकि, इस चरण को छोड़ने से डिहाइड्रेशन हो सकता है, जिससे त्वचा अधिक तेल का उत्पादन करने के लिए प्रेरित हो सकती है।

प्रोडक्ट का चयन– हल्के, गैर–कॉमेडोजेनिक, पानी–आधारित मॉइस्चराइजर का चयन करें जो छिद्रों को बंद किए बिना हाइड्रेट करता है।

धूप से सुरक्षा जरुरी

सनस्क्रीन लगाना बहुत ही जरुरी है सीजन चाहे कोई भी हो। सनस्क्रीन का प्रयोग पूरे साल महत्वपूर्ण है, जिसमें मानसून भी शामिल है।

प्रोडक्ट का चयन– अपनी त्वचा को चिकनाई बढ़ाए बिना सुरक्षित रखने के लिए कम से कम एसपीएफ 30 वाला ब्रॉड–स्पेक्ट्रम, तेल–मुक्त, मैट–फिनिश सनस्क्रीन चुनें।

मानसून के दौरान तैलीय त्वचा के प्रबंधन के लिए एक बेहतरीनऔर अनुरूप त्वचा देखभाल दिनचर्या की आवश्यकता होती है। सही उत्पादों का चयन करके, स्वस्थ आहार बनाए रखकर और कुछ प्रभावी घरेलू उपचारों को शामिल करके, आप नमी के बावजूद अपनी त्वचा को ताजा और चमकदार बनाए रख सकते हैं। इन टिप्स को अपनाएं और आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ मानसून के मौसम का आनंद लें।

अपनी बेटी को ये महत्वपूर्ण बातें जरूर सिखाए मां, दोस्त जैसा बना रहेगा रिश्ता

बचपन से ही मां को अपनी बेटी को कुछ महत्वपूर्ण बातें सिखानी चाहिए, जो न केवल उनके रिश्ते को मजबूत बनाएंगी बल्कि बेटी को जीवन में सफल और आत्मनिर्भर बनाने में भी मदद करेंगी।

इन बातों और तरीकों को अपनाकर, मां अपनी बेटी के साथ एक मजबूत और प्यारा रिश्ता बना सकती हैं, जिससे बेटी को जीवन में हर कदम पर सहारा मिलेगा और मां को भी संतुष्टि मिलेगी कि उन्होंने अपनी बेटी को सही मार्गदर्शन दिया है।

महत्वपूर्ण बातें जो मां को बेटी को सिखानी चाहिए

अपनी बेटी को सिखाएं कि वह खुद पर विश्वास करे और आत्मसम्मान बनाए रखे। उसे समझाएं कि उसकी खुद की कीमत दूसरों की राय पर निर्भर नहीं करती। उसे सिखाएं कि वह अपने फैसले खुद ले सके और जीवन में आत्मनिर्भर बने। उसे बताएं कि किसी भी समस्या का समाधान खुद से ढूंढना महत्वपूर्ण है।

शिक्षा का महत्व समझाएं

इसके साथ ही बेटी को व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वास्थ्य का महत्व समझाएं। सही खान–पान और नियमित व्यायाम की आदत डालें। अपनी बच्ची को शिक्षा का महत्व समझाएं और उसे प्रेरित करें कि वह अपने करियर को गंभीरता से ले। उसे बताएं कि शिक्षा और ज्ञान ही उसे जीवन में आगे बढ़ने में मदद करेंगे। उसे सिखाएं कि वह अपने भावनाओं को समझे और नियंत्रित करे। दूसरों के साथ सहानुभूति और समझदारी से पेश आना सिखाएं।

बेटी के साथ दोस्ताना रिश्ता बनाने के तरीके

– बेटी के साथ खुलकर बातचीत करें। उसे महसूस कराएं कि वह अपने विचार और समस्याएं आपसे बिना किसी हिचक के साझा कर सकती है।

– बेटी के साथ समय बिताएं और उसकी रुचियों को समझें। उसके साथ खेलें, बातें करें और उसके साथ गतिविधियों में शामिल हों।

– उसकी उपलब्धियों और प्रयासों की सराहना करें। उसे हमेशा समर्थन और प्रोत्साहन दें ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सके।

– उसकी बातें ध्यान से सुनें और उसकी भावनाओं का सम्मान करें। उसे महसूस कराएं कि उसकी राय महत्वपूर्ण है।

– प्यार और समझदारी के साथ सीमाएं और नियम निर्धारित करें। उसे सिखाएं कि जीवन में अनुशासन और नियमों का पालन करना महत्वपूर्ण है।

रिश्ते को मजबूत बनाने के फायदे

इससे बेटी को मां पर विश्वास होगा और वह अपनी समस्याएं और खुशियां आसानी से साझा कर सकेगी। बेटी को हमेशा मां से भावनात्मक समर्थन मिलेगा, जिससे वह जीवन की चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर सकेगी। मां के अनुभव और शिक्षाएं बेटी को जीवन में सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद करेंगी।

अगस्त के महीने में फ्रेंड्स के साथ जाएं देश की इन शानदार जगहों पर, मजेदार रहेगी छुट्टियां

अगस्त के महीने में भी देशभर के कई हिस्सों में झमाझम बारिश होती रहती है। मानसून के दौरान इन जगहों पर जाने का अलग ही मजा आता है। आप भी अपने चार दोस्तों के साथ घूमने के लिए अलग ही मजा होता है। जब हम कहीं ट्रिप पर दोस्तों के साथ जाते हैं, तो घूमने का अलग ही मजा आता है। आपको इस लेख में बताएंगे कि देश की कुछ शानदार और खूबसूरत जगहों के बारे बताने जा रहे हैं। जहां दोस्तों के साथ आप धमाकेदार अंदाज में छुट्टियां माना सकते हैं।

मसूरी

जब घूमने की बात आती है तो सबसे पहला नाम उत्तराखंड या हिमाचल का आता है। दोस्तों के साथ मस्ती करने के लिए नैनीताल या ऋषिकेश नहीं, बल्कि मसूरी पहुंच जाएं। मसूरी पहाड़ों की रानी के नाम से प्रसिद्ध है। जब यहां बारिश होती है तो खूबसूरती चरम पर होती है। यहां आप रात भर घूम सकते है, होटल में पार्टी कर सकते हैं। मसूरी में आप कंपनी गार्डन, कैम्पटी वॉटरफॉल, मॉल रोड और जॉर्ज हिल्स जैसी खूबसूरत जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

माउंट आबू

इस बारिश को मौसम में आप राजस्थान के शाही शहरों में घूमने का प्लान बना सकते हैं। माउंट आबू राजस्थान का हिल स्टेशन है। यहां शाम से लेकर रात तक पार्टी कर सकते है। माउंट आबू में आप दोस्तों के साथ निक्की झील, गुरु शिखर, रॉक पॉइंट व्यू और दिलवाड़ा जैन मंदिर जैसी चर्चित जगहों को एक्सप्लोर करें।

गोवा

पार्टी और बीच के लिए गोवा सबसे फेमस है। गोवा में समुद्र किनारे आप दोस्तों के साथ नाइट आउट का शानदार लुत्फ उठा सकते है। नाइट क्लब में आप दोस्तों के साथ पार्टी कर सकते हैं। गोवा में आप नाइट क्लब में पार्टी में कर सकते हैं।

धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश की वादियों को मजा लेना है तो आप अगस्त के महीने में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप धर्मशाला जाएं। धर्मशाला हिमाचल का सबसे बेहतरीन हिल स्टेशन माना जाता है। यहां आप धमाकेदार पार्टी कर सकते हैं। धर्मशाला में नाइट आउट का प्लान भी कर सकते हैं।

संक्षिप्त

आयकर रिटर्न भरने की अंतिम तारीख है आज, नहीं भरा टैक्स तो जानें क्या होगा आपके साथ

वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 है। अब सिर्फ एक ही दिन आयकर भरने के लिए शेष बचा हुआ है। आयकर विभाग ने करदाताओं को 31 जुलाई 2024 तक अपना कर जमा करने के लिए अनुरोध किया है। समय सीमा खत्म होने से पहले ही व्यक्तिगत करदाताओं को कर जमा करना होगा। हालांकि ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि समयसीमा बढ़ाई जाएगी, लेकिन आधिकारिक तौर पर ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पिछले साल भी, जब समयसीमा नहीं बढ़ाई गई थी, तब बड़ी संख्या में करदाता हैरान रह गए थे। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आप डेडलाइन से चूक गए तो क्या होगा।

अब तक कितने लोगों ने अपना कर दाखिल किया है?

वित्त वर्ष 2023–24 के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। अधिकारियों का कहना है कि 26 जुलाई तक कुल पांच करोड़ लोग आईटीआर दाखिल कर चुके है। बीते साल फाइल किए गए आईटीआर से यह आठ प्रतिशत अधिक है।वहीं 26 जुलाई को यानी महज एक ही दिन में कुल 28 लाख आईटीआर प्राप्त हुए। पिछले कुछ सालों में देश में करदाताओं की संख्या में वृद्धि हुई है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2022–23 में 7.4 करोड़ और वित्त वर्ष 2020–21 में 6.75 करोड़ लोगों ने टैक्स रिटर्न दाखिल किया।

विस्तारा एयरलाइन लाई कर्मचारियों के लिए VRS की सुविधा, इन कर्मचारियों को होगा लाभ

विस्तारा एयरलाइन ने वीआरएस के साथ वालंटरी सेपरेशन स्कीम लॉन्च किया है। वालंटरी सेपरेशन स्कीम का हिस्सा वो कर्मचारी बनेंगे जो एयरालइन के साथ पांच वर्षों से जुड़े हुए है। एयर इंडिया ने दो सप्ताह पहले ही ये स्कीम नॉन फ्लाइंग स्थायी स्टाफ के लिए इस स्कीम को लॉन्च किया था। विस्तारा एयरलाइन जल्द ही एयर इंडिया के साथ मर्जर करने वाली है। इसे देखते हुए दोनों ही एयरलाइन कंपनियों ने एक समान नीतियां लागू करनी शुरू कर दी है। इस मर्जर के कारण कई कर्मचारियों की नौकरी पर भी गाज गिरी है। कई कर्मचारियों को छंटनी का शिकार होना पड़ा है। इसके साथ ही विस्तारा

एयरलाइन ने कर्मचारियों के लिए वॉलंटरी रिटायरमेंट स्कीम भी लागू कर दी है। विस्तारा एयरलाइन के कर्मचारी वीआरएस ले सकते है। इस स्कीम को लॉन्च कर कर्मचारियों को कंपनी ने खास संदेश भी भेजा है। इस संदेश में कहा गया कि लगातार पांच वर्षों तक जो कर्मचारी एयरलाइन के साथ काम करते आए हैं वो वीआरएस को चुन सकता है। विस्तारा एयरलाइन ने वीआरएस के साथ वालंटरी सेपरेशन स्कीम लॉन्च किया है। वालंटरी सेपरेशन स्कीम का हिस्सा वो कर्मचारी बनेंगे जो एयरालइन के साथ पांच वर्षों से जुड़े हुए है। एयर इंडिया ने दो सप्ताह पहले ही ये स्कीम नॉन फ्लाइंग स्थायी स्टाफ के लिए इस स्कीम को लॉन्च किया था।

रिटायर होने वाले कर्मचारियों को नहीं मिलेगा लाभ

विस्तारा एयरलाइन का कहना है कि वीआरएस और वीएसएस की सुविधा कंपनी के कर्मचारियों को मिलेगी। कंपनी के नियम के मुताबिक ग्रेच्युटी, प्रोविडेंट फंड और लीव एनकैशमेंट का लाभ कंपनी के कर्मचारियों को मिलेगा। एयरलाइन स्पष्ट कर चुकी है कि 31 मार्च 2025 को जो पायलट या केबिन क्रू मेंबर रिटायर होंगे उन्हें इस स्कीम का लाभ नहीं मिलेगा।

सरकार ने नामीबिया को 1,000 टन गैर–बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी

नयी दिल्ली । भारत ने सोमवार को राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से नामीबिया को 1,000 टन गैर–बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी। हालांकि, घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर–बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा हुआ है, लेकिन विशेष अनुरोध पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा निर्यात की अनुमति दी जाती है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा,

''एनसीईएल के माध्यम से नामीबिया को 1,000 टन गैर–बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी जाती है।'' अप्रैल–मई में भारत का गैर–बासमती सफेद चावल का निर्यात 12.27 करोड़ डॉलर और पूरे 2023–24 के साल में 85 करोड़ 25.3 लाख डॉलर का हुआ था। देश ने इससे पहले भी नेपाल, कैमरून, कोट डी आइवर, गिनी, मलेशिया, फिलिपीन और सेशेल्स जैसे देशों को इस तरह के निर्यात की अनुमति दी है। एनसीईएल एक बहु–राज्य सहकारी समिति है। इसे देश की कुछ प्रमुख सहकारी समितियों द्वारा संयुक्त रूप से बढ़ावा दिया जाता है।

भारत करेगा एशिया कप की मेजबानी ? सामने आई बड़ी जानकारी, जानें किस प्रारूप में खेला जाएगा

शनिवार को एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने इनविटेशन फॉर एक्सप्रेशंस ऑफ इंट्रेस्ट (आईओआई) दस्तावेज जारी किया। इसके तहत एसीसी ने सभी देशों को 2024–2027 के बीच स्पॉन्सरशिप राइट्स के लिए आवेदन मांगे हैं।

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 की मेजबानी को लेकर बड़ी जानकारी सामने आ रही है। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारतीय टीम अगले साल होने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर सकती है। शनिवार को एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने इनविटेशन फॉर एक्सप्रेशंस ऑफ इंट्रेस्ट (आईओआई) दस्तावेज जारी किया। इसके तहत एसीसी ने सभी देशों को 2024–2027 के बीच स्पॉन्सरशिप राइट्स के लिए आवेदन मांगे हैं। माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) आगामी टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए आवेदन कर सकती है। वहीं, यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला जाएगा।

34 साल बाद मिल सकती है मेजबानी?

अगर भारत को आगामी टूर्नामेंट की मेजबानी मिलती है तो ऐसा 34 साल बाद होगा जब भारत एशिया कप की अगुवाई करेगा। आखिरी बार भारत में 1990–91 में एशिया कप आयोजित किया गया था, जो चौथा संस्करण था। भारत ने तब कोलकाता में श्रीलंका को हराकर खिताब अपने नाम किया था। वहीं, 2027 में एशिया कप बांग्लादेश की सरजमीं पर खेला जाएगा। बांग्लादेश में वनडे फॉर्मेट वाला एशिया कप होगा।

छह टीमों के बीच खेला जाएगा टूर्नामेंट

एसीसी के टेंडर डॉक्यूमेंट के मुताबिक, पुरुष एशिया कप के आगामी संस्करण में 13 मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में छह टीमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान खिताब के लिए भिड़ेंगी। छठी टीम का चयन क्वालीफाइंग इवेंट के जरिए किया जाएगा। हालांकि, भारत में एशिया कप कब से कब तक खेला जाएगा, फिलहाल इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। एसीसी के सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि टूर्नामेंट सितंबर में हो सकता है। डॉक्यूमेंट में पुरुष अंडर–19 एशिया कप का भी जिक्र है, जो 2024, 2025, 2026 और 2027 में आयोजित होगा।

श्रीलंका के खिलाफ भारत ने जीता था फाइनल

भारत एशिया कप का मौजूदा चौंपियन है। भारत ने पिछले साल श्रीलंका को 10 विकेट से शिकस्त देकर ट्रॉफी हासिल की थी। पिछले साल एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान के पास थी, जो हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया गया। दरअसल, भारत ने पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था। भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे जबकि पाकिस्तान ने कुछ मैच अपने घर में खेले। भारत का 2027 तक काफी बिजी शेड्यूल है। भारत अगले साल जनवरी–फरवरी में इंग्लैंड के साथ सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगा। फरवरी–मार्च में आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी आयोजित होनी है, जिसकी मेजबानी पाकिस्तान के पास है।

इन देशों के खिलाफ खेलेगी टीम इंडिया

भारतीय टीम के चौंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने पर अनिश्चितित बनी हुई है। भारतीय खिलाड़ियों के मार्च से मई तक आईपीएल 2025 में व्यस्त रहने संभावना है। टीम इंडिया जून और अगस्त में इंग्लैंड का दौरा करेगी और फिर बांग्लादेश में तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलेगी। ऐसे में यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि एशिया कप अगर सितंबर में नहीं हुआ तो अक्टूबर में बांग्लादेश सीरीज के बाद हो सकता है। भारत को बांग्लादेश सीरीज के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है।

मोर्ने मोर्कल बन सकते हैं टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच, इस सीरीज से संभाल सकते हैं कमान

भारतीय टीम के साथ साईराज बहुतुले श्रीलंका दौरे पर हैं और अंतरिम गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर रहे हैं। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक उनका मुख्य गेंदबाजी कोच बनना निश्चित नहीं लग रहा है। बहुतुले स्पिन गेंदबाज रहे हैं और उन्हें लेकर कुछ भी साफ नहीं है तो वहीं मोर्कल तेज गेंदबाज रहे हैं और अगर वो भारतीय टीम के बॉलिंग कोच बनते हैं तो फिर टीम इंडिया को एक स्पिन कोच की भी जरूरत पड़ सकती है। गौतम गंभीर ने टीम इंडिया के हेड कोच का पद श्रीलंका दौरे से पहले ही ग्रहण कर लिया था। लेकिन टीम के गेंदबाजी कोच कौन होंगे इस पर अभी भी फैसला आना है। हालांकि, क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेदंबाज मोर्ने मोर्कल को भारतीय टीम का गेंदबाजी कोच बनाया जा सकता है। मोर्कल बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के साथ भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में जुड़ सकते हैं। मौजूदा समय में भारतीय टीम के साथ साईराज बहुतुले श्रीलंका दौरे पर हैं और अंतरिम गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर रहे हैं। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक उनका मुख्य गेंदबाजी कोच बनना निश्चित नहीं लग रहा है। बहुतुले स्पिन गेंदबाज रहे हैं और उन्हें लेकर कुछ भी साफ नहीं है तो वहीं मोर्कल तेज गेंदबाज रहे हैं और अगर वो भारतीय टीम के बॉलिंग कोच बनते हैं तो फिर टीम इंडिया को एक स्पिन कोच की भी जरूरत पड़ सकती है। वैसे श्रीलंका में चल रही क्रिकेट सीरीज के दौरान भारतीय टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ता टीम के मौजूदा कोचिंग टीम का मूल्यांकन करेंगे और फिर उन्हें लेकर फैसला किया जाएगा ऐसे में बहुतुले की भूमिका को लेकर बी निश्चितता दिख रही है। वैसे साईराज बहुतुले अगर अपने पद पर बने रहते हैं तो गौतम गंभीर की अगुवाई वाले भारतीय कोचिंग स्टाफ में 6 सदस्य होंगे। टीम के हेड कोच गंभीर होंगे जबकि सहायक कोच के रूप में अभिषेक नायर और रयान टेन डोशेट, तेज गेंदबाजी कोच के रूप में मोर्कल, फील्डिंग कोच के रूप में टी दिलीप और स्पिन गेदंबाजी कोच के रूप में बहुतुले होंगे।

वनडे सीरीज की तैयारियों में जुटा भारत, रोहित–कोहली पहुंचे श्रीलंका, अभ्यास सत्र में बहाएंगे पसीना

कोलंबो। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली सहित अन्य खिलाड़ी श्रीलंका के खिलाफ दो अगस्त से शुरू होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज से पहले अभ्यास सत्र में भाग लेंगे। फिलहाल भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में तीन मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। भारत ने रविवार को इस सीरीज का दूसरा मुकाबला जीतकर 2–0 की अजेय बढ़त बना ली। अब मंगलवार को दोनों टीमें अंतिम मुकाबला खेलेंगी। रोहित, कोहली और पहली बार टीम में शामिल किए गए हर्षित राणा सहित वनडे टीम में शामिल खिलाड़ी रविवार को कोलंबो पहुंचे। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारतीय टी20 टीम पल्लेकल में मंगलवार को अंतिम मैच खेलेगी। इसके बाद वनडे टीम में शामिल खिलाड़ी रोहित के नेतृत्व वाली टीम से जुड़ेंगे।

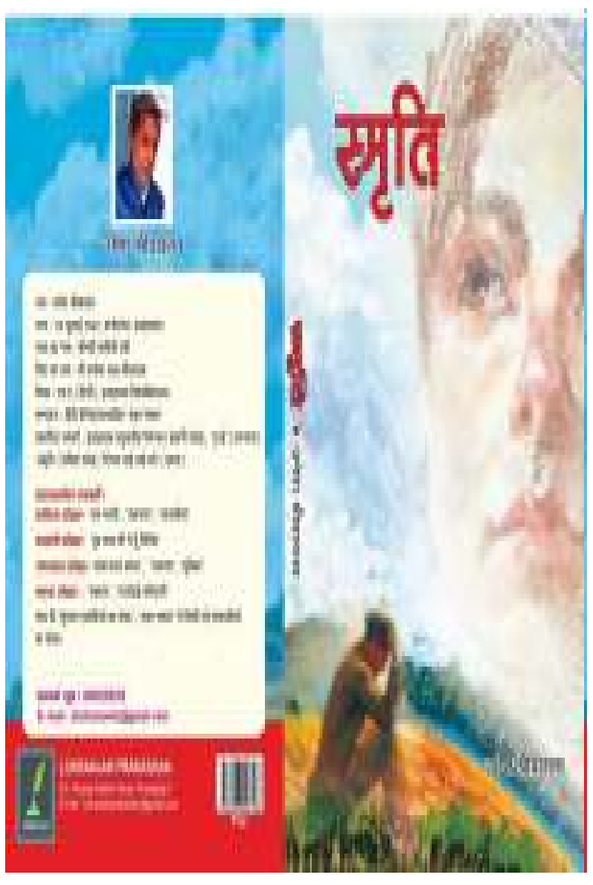

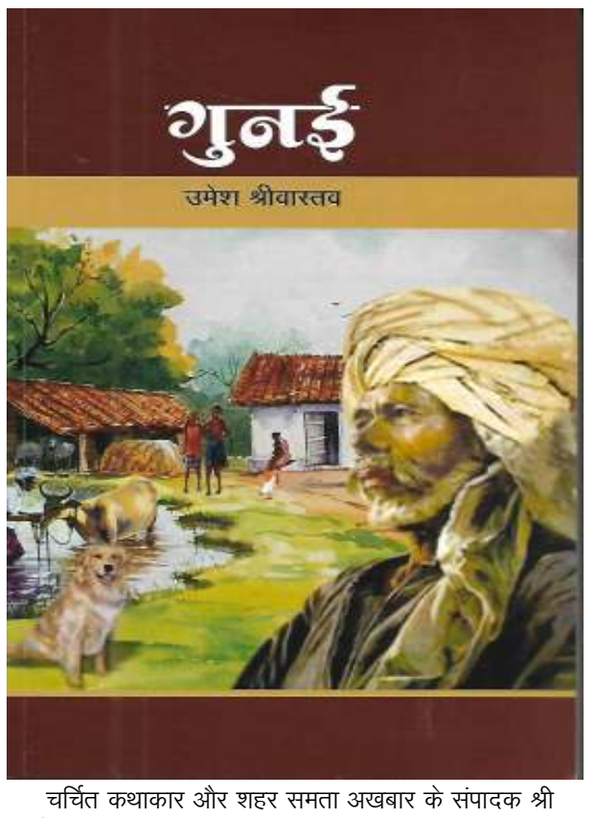

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

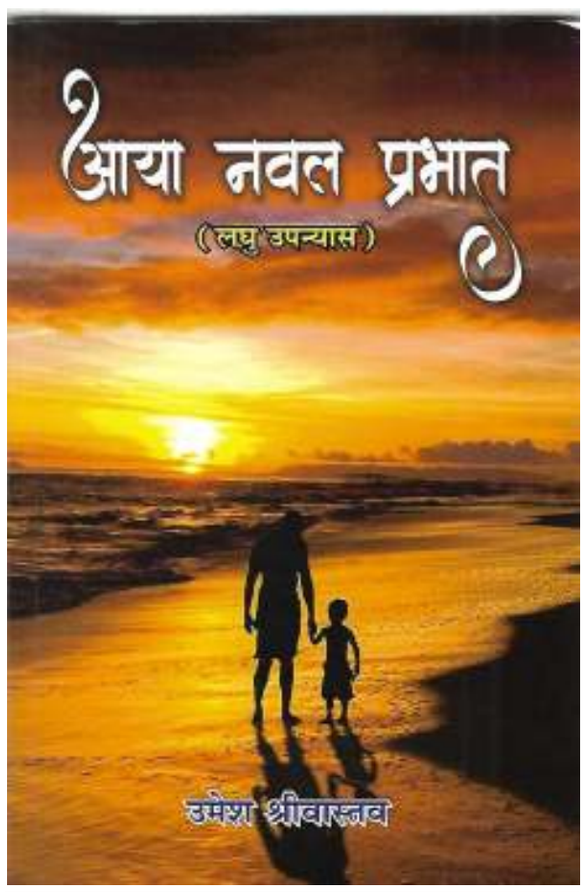

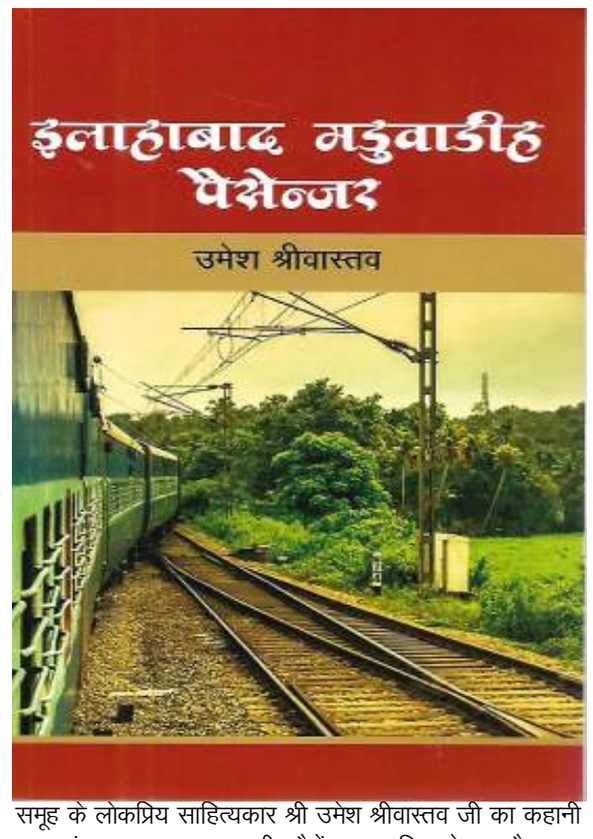

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

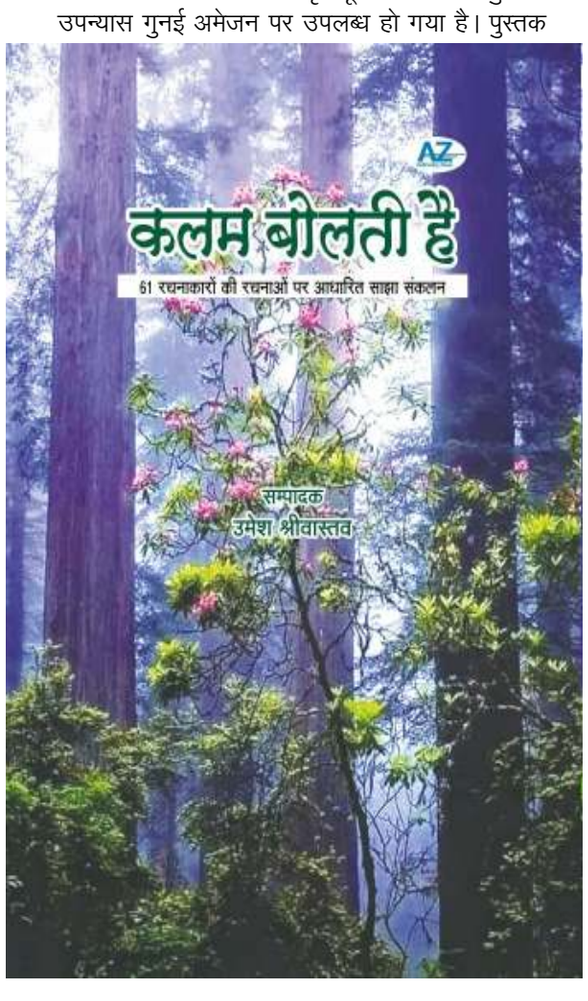

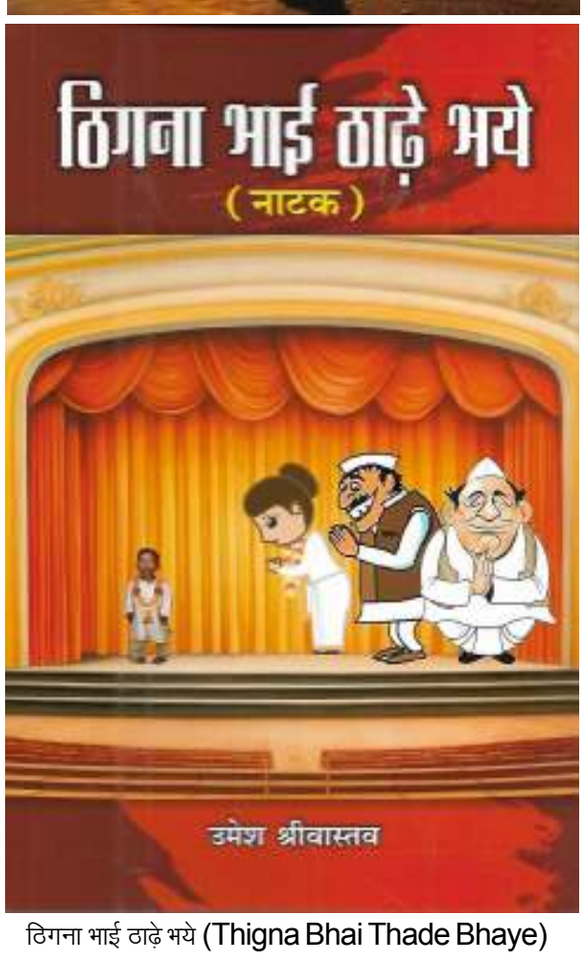

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

मोटापे से परेशान किम जोंग उन, विदेश से मंगाई जाएगी दवाएं, उत्तराधिकारी घोषित करने की ट्रेनिंग अभी से हो गई शुरू

उत्तर कोरिया के अधिकारी अपने नेता किम जोंग उन के इलाज के लिए विदेश से नई दवाएं मांग रहे हैं। बताया जा रहा है कि किम जोंग का वजन फिर से बढ़ गया है और अब वह मोटापे से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा (एनआईएस) के अनुसार, किम जोंग कथित तौर पर हाई ब्लड प्रेशर और डायबटीज जैसी स्थितियों से पीड़ित हैं। 40 साल की उम्र में, किम का पारिवारिक इतिहास हृदय संबंधी समस्याओं का रहा

है, उनके पिता और दादा दोनों की हृदय संबंधी समस्याओं से मृत्यु हो गई थी। अपनी अत्यधिक शराब पीने और धूम्रपान की आदतों के लिए जाना जाने वाला किम लगभग 170 सेंटीमीटर (5 फीट, 8 इंच) लंबा है और पहले उसका वजन 140 किलोग्राम (308 पाउंड) था। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि 2021 में संभवतः आहार परिवर्तन के कारण काफी मात्रा में वजन कम हो गया है, हाल ही में राज्य मीडिया फुटेज से पता चलता है कि उन्होंने अपना खोया हुआ वजन वापस पा लिया है। कानूनविद् ली सेओंग क्यून ने कहा कि एनआईएस का अनुमान है कि किम का वर्तमान वजन लगभग 140 किलोग्राम (308 पाउंड) है, जो उन्हें हृदय रोग के लिए उच्च जोखिम वाले समूह में रखता है। ली ने कहा कि किम में 30 की उम्र से ही उच्च रक्तचाप और मधुमेह के लक्षण दिखे हैं। सांसद पार्क सनवॉन ने कहा कि एनआईएस का मानना घ्है कि किम का मोटापा उसके शराब पीने, धूम्रपान और तनाव से जुड़ा है। एनआईएस ने सांसदों को यह भी बताया कि उत्तर कोरियाई अधिकारी किम के संदिग्ध उच्च रक्तचाप और मधुमेह के इलाज के लिए विदेश से नई दवाएं खरीदने का प्रयास कर रहे हैं। किम का स्वास्थ्य उत्तर कोरिया की सीमाओं से परे महत्वपूर्ण रुचि का विषय है। उन्होंने औपचारिक रूप से उत्तराधिकारी का नाम नहीं दिया है, जिससे यह चिंता बढ़ गई है कि उनकी अक्षमता की स्थिति में देश के बढ़ते परमाणु शस्त्रागार की कमान कौन संभालेगा। ब्रीफिंग के दौरान, एनआईएस ने अपना आकलन दोहराया कि किम की पंद्रह बेटी, जिसका नाम कथित तौर पर किम जू ऐ है। वो अपने पिता के उत्तराधिकारी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करती दिख रही है। हालाँकि, एनआईएस ने कहा कि वह इस संभावना को पूरी तरह से खारिज नहीं कर सकता है कि उसके भाई–बहनों में से कोई एक उसकी जगह उत्तराधिकारी बन सकता है, यह देखते हुए कि उसे आधिकारिक तौर पर उसके पिता के उत्तराधिकारी के रूप में नामित नहीं किया गया है।

हिंसक प्रदर्शनों में 150 लोगों की मौत

ढाका। बांग्लादेश की सरकार ने पहली बार स्वीकार किया कि आरक्षण व्यवस्था के खिलाफ छात्रों के हिंसक प्रदर्शन के दौरान देशभर में 150 लोगों की मौत हुई है। हाल में बांग्लादेश में हिंसा भड़क गई थी और सरकार को नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए सेना बुलानी पड़ी थी। इस महीने की शुरुआत में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन जल्द ही प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी सरकार के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन में बदल गया। इन हिंसक प्रदर्शनों में पुलिसकर्मियों सहित काफी संख्या मेंलोग घायल हुए हैं और अहम सरकारी प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाया गया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में हसीना की अध्यक्षता में हुई बैठक के बादकैबिनेट सचिव महबूब हुसैन ने मीडिया को बताया, '' सरकार ने फैसला किया है कि कल देशव्यापी शोक रखा जाएगा... लोगों से (हिंसा के दौरान हुई) मौतों पर शोक व्यक्त करने के लिए काले बैज पहनने का आग्रह किया गया है।" उन्होंने कहा कि देश भर की मस्जिदों, मंदिरों, पैगोडा (बौद्ध उपासना स्थल) और गिरजाघरों से अनुरोध किया गया है कि वे दिवंगत लोगों और घायलों के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन करें। शीर्ष नौकरशाह ने कहा कि गृह मंत्री असद–उज–ज़मां खान कमाल ने बैठक में समग्र स्थिति के बारे में एक रिपोर्ट पेश की और देश भर में झड़पों में 150 लोगों की मौत होने की पुष्टि की।

नौवें राष्ट्रपति के रूप में मसूद पेजेशकियन ने ली शपथ, 80 देशों के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान ने मंगलवार दोपहर को ईरानी संसद में पद की शपथ ली। उन्होंने रविवार को ही पदभार ग्रहण कर लिया जब सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने एक समारोह में अपनी मंजूरी की मुहर लगा दी। उम्मीद है कि आज संसद में औपचारिकता के बाद उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों की घोषणा की जाएगी। ईरान में नए राष्ट्रपतियों के उद्घाटन के दो चरण हैं। पहले सर्वोच्च नेता अली खामेनेई एक समर्थन समारोह (तनफ़िज़) में निर्वाचित राष्ट्रपति को मंजूरी देते हैं और फिर नए राष्ट्रपति संसद (तहलीफ़) के समक्ष पद की शपथ लेते हैं। ईरान की न्यायपालिका के प्रमुख और चुनाव के लिए उम्मीदवारों की जांच करने वाली अनिर्वाचित संस्था गार्जियन काउंसिल के सदस्यों को भी समारोह में उपस्थित रहना चाहिए।

अर्मेनियाई, ताजिक नेताओं ने खामेनेई से की मुलाकात

पशिनियन नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए, मेहराबाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। इसके अतिरिक्त, ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन भी इस समारोह के लिए तेहरान में थे, उन्होंने उसी दिन सर्वोच्च नेता के साथ बैठक की। अर्मेनियाई प्रधानमंत्री निकोल पशिनियन ने तेहरान की अपनी

यात्रा के दौरान सर्वोच्च नेता अली खामेनेई से मुलाकात की। बैठक में नवनियुक्त प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मदरेज़ा अरेफ़ भी उपस्थित थे।

हमास, इस्लामिक जिहाद नेताओं ने तेहरान में ईरानी अधिकारियों से की मुलाकात

हमास के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख इस्माइल हनियेह और इस्लामिक जिहाद आंदोलन के महासचिव ज़ियाद अल–नखला ने मंगलवार को तेहरान में सर्वोच्च नेता अली खामेनेई से मुलाकात की। ये नेता नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए ईरान की राजधानी में हैं। हमास ने घोषणा की कि हनियेह ने पेजेशकियान के साथ भी चर्चा की, जिसके दौरान उन्होंने उन्हें गाजा संघर्ष में नवीनतम राजनीतिक और जमीनी घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी। हनियेह ने इस्लामिक रिपब्लिक के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

नौकरी के लिए गया रूस, ट्रेनिंग देकर सेना ने भेज दिया यूक्रेन से लड़ने, हरियाणा के छोरे ने गंवाई अपनी जान

यूक्रेन के खिलाफ रूस की तरफ से जंग लड़ने वाले भारतीयों की वतन वापसी का मुद्दा पीएम मोदी ने अपनी हालिया मॉस्को दौरे में राष्ट्रपति पुतिन के समक्ष उठाया था। इसके बाद भारतीय सैनिकों की वापसी पर सहमति भी बनी थी। अब रूसी सेना में भर्ती भारतीय से जुड़ी एक जानकारी सामने आई है। भारतीय नागरिक के परिवार ने कहा है कि उसे यूक्रेन में रूस के लिए लड़ने के लिए धोखा दिया गया था। कार्रवाई में मारा गया है, जबकि राष्ट्रपति पुतिन ने दिल्ली से वादा किया था कि क्रेमलिन द्वारा भर्ती किए गए उसके नागरिकों को छोड़ दिया गया। 22 वर्षीय रवि मौन 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन में मरने वाले पांचवें भारतीय नागरिक हैं। माना जाता है कि दर्जनों भारतीय नागरिकों को गैर–लड़ाकू नौकरियों के वादे के साथ रूस में लालच देकर अग्रिम पंक्ति में भेजा गया था।

सेना या नागरिक क्षेत्र में रोजगार। कहा जाता है कि अन्य लोगों को कथित तौर पर वीज़ा नियमों का उल्लंघन करने के बाद रूस में गिरफ्तार किया गया था और कहा गया था कि उन्हें सेना में एक साल की सेवा करनी होगी या दस साल जेल में बिताने होंगे। रवि हरियाणा के कैथल जिले के मटौर गांव के निवासी थे। अजय ने दावा किया कि रवि 13 जनवरी को परिवहन संबंधी नौकरी के लिए रूस गए थे, लेकिन उन्हें सेना में भर्ती कर लिया गया। अजय ने अपने भाई के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए दूतावास को 21 जुलाई को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा कि दूतावास ने हमें बताया कि उनकी मौत हो गई है। परिवार ने कहा कि दूतावास ने शव की पहचान के लिए उनसे डीएनए परीक्षण रिपोर्ट भेजने के लिए भी कहा। अजय ने कहा कि रवि 13 जनवरी को रूस गए थे। एक एजेंट ने उन्हें परिवहन संबंधी नौकरी के लिए रूस भेजा था लेकिन उन्हें रूसी सेना में शामिल कर लिया गया।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति चुनाव में निकोलस मादुरो की जीत के बाद क्यों मचा संग्राम ?

कई देशों ने उठाए सवाल, हिंसक प्रदर्शन जारी

वेनेजुएला में विरोध प्रदर्शन शुरू हो रहे हैं। कहा जा रहा है कि चुनाव अधिकारी ने आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को तीसरी बार विजयी घोषित किया। ऐसा करते ही निकोलस का कार्यकाल 2031 तक बढ़ गया। चुनाव निकाय की घोषणा के खिलाफ, विपक्षी उम्मीदवार एडमंडो गोंजालेज ने दावा किया है कि उनके अभियान के पास इस बात का सबूत है कि जीत उन्ही की हुई थी। सत्तारूढ़ दल एक वफादार पांच–सदस्यीय चुनाव परिषद और लंबे समय से स्थानीय पार्टी समन्वयकों के एक नेटवर्क के माध्यम से मतदान प्रणाली पर कड़ा नियंत्रण रखता है, जिनकी मतदान केंद्रों तक लगभग अप्रतिबंधित पहुंच होती है और उन्होंने देश भर के मतदान केंद्रों से वोटों की संख्या जारी नहीं की है।

वेनेजुएला विपक्ष क्या दावा कर रहा है?

मादुरो के करीबी राष्ट्रीय चुनाव परिषद के अध्यक्ष एल्विस अमोरोसो ने मादुरो को 51: वोट मिले हैं। मुख्य विपक्षी उम्मीदवार एडमुंडो गोंजालेज के खाते में 44: वोट गए हैं। 80: बैलट गिन लिए गए हैं। सभी विपक्षी नेता मादुरो को सत्ता से हटाने के लिए एडमुंडो के साथ जुटे थे। विपक्ष ने नतीजों की धोखाधड़ी बताकर खारिज कर दिया। दावा किया एडमुंडो ने 70: वोटों से जीत हासिल की है। गोंजालेज और विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने रविवार के चुनाव से 70: से अधिक टैली शीट प्राप्त की हैं, और वे गोंजालेज को मादुरो के दोगुने से अधिक वोटों के साथ दिखाते हैं।

कई देशों ने जताया ऐतराज

कई देशों ने अभी तक वेनिज्वेला के चुनाव नतीजों को मान्यता नहीं दी। साथ ही चुनाव की पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि यह गंभीर चिंता है कि घोषित परिणाम वेनिज्वेला के लोगों की इच्छा को नहीं दर्शाता। हर वोट की गिनती निष्पक्ष तरीके से हो।

ठपकमद से भी खराब उम्मीदवार हैं कमला हैरिस, ट्रंप ने बताया कट्टर वामपंथी

पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने संभावित डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को राष्ट्रपति जो बाइडेन की तुलना में खराब उम्मीदवार बताया है। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज के सथ एक इंटरव्यू में कहा कि मुझे लगता है कि वह (हैरिस) उनसे (बाइडेन) की तुलना में सबसे खराब उम्मीदवार हैं। वह कहीं अधिक कट्टरपंथी वामपंथी हैं। मौजूदा राष्ट्रपति बिडेन के 20 जुलाई को दूसरे कार्यकाल की दौड़ से हटने के बाद हैरिस ने आधिकारिक तौर पर अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। उम्मीद है कि उन्हें अगले महीने डेमोक्रेट द्वारा आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित किया जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डॉनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि

जो बाइडन को चुनावी दौड़ से हटने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने इसे डेमोक्रेटिक पार्टी का किया गया तख्तापलट करार दिया। ट्रंप ने कहा कि यह असल में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं का किया तख्तापलट था। यह एक ऐसे व्यक्ति का तख्तापलट था जिसके पास एक करोड़ 40 लाख वोट थे। वह (बाइडन) चुनाव लड़ना चाहते थे। उन्होंने उन्हें चुनाव नहीं लड़ने दिया। उन्होंने उनके साथ बहुत बुरा व्यवहार किया। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की संभावित उम्मीदवार कमला हैरिस ने कहा कि उन्हें वाइट हाउस की दौड़ में भले ही अंडरडॉग (कमजोर) समझा जा रहा है, लेकिन वह जमीनी स्तर पर अपने प्रचार से चुनाव जरूर जीतेंगी। अपने अभियान में हैरिस ने समर्थकों से कहा कि इस साल का चुनाव देश के लिए दो नजरियों के बीच का चुनाव है– एक, जो भविष्य की ओर देखता है और दूसरा, जो देश की प्रगति को नष्ट करना चाहता है।

चीन से हमारे रिश्ते खराब, जयशंकर ने किया साफ, तीसरे पक्ष की दखल मंजूर नहीं

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन के साथ भारत के सीमा विवाद में किसी तीसरे पक्ष की भूमिका से इनकार करते हुए कहा कि दोनों पड़ोसियों के बीच एक मुद्दा है और इसका समाधान उन्हें ही निकालना है। जयशंकर ने टोक्यो में एक संवाददाता सम्मेलन में कई सवालों के जवाब देते हुए कहा कि भारत और चीन के बीच वास्तव में क्या मुद्दा है, इसे सुलझाने के लिए हम अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं। क्वाड विदेश मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए यहां आए जयशंकर ने यह भी कहा कि चीन के साथ भारत के रिश्ते अच्छे नहीं हैं और वह ठीक नहीं चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास एक समस्या है, या, मैं कहूंगा, भारत और चीन के बीच एक मुद्दा है। मुझे लगता है कि इस पर बात करना और रास्ता निकालना हम दोनों का काम है। उन्होंने इस महीने में दो बार चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ अपनी बैठक को याद करते हुए कहा कि दुनिया के अन्य देशों की भी इस मामले में रुचि होगी, क्योंकि हम दो बड़े देश हैं और हमारे संबंधों की स्थिति का असर बाकी दुनिया पर पड़ता है। लेकिन हमारे बीच वास्तव में क्या मुद्दा है, इसे सुलझाने के लिए हम अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं। शीर्ष भारतीय मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत और चीन के बीच संबंध न तो अच्छे हैं और न ही सामान्य हैं। हालाँकि, उन्होंने कहा कि नई दिल्ली बीजिंग के साथ अच्छे पड़ोसी संबंध चाहता है। हमारे अनुभव के आधार पर चीन के बारे में हमारे विचार हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।